राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 291 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरुवार 28 अगस्त 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान के उदयपुर में दर्दनाक हादसा, उफनते नाले में गिरी कार; पांच लोग लापता

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर में देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। खेरवाड़ा इलाके में एक कार अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई। कार में पांच लोग सवार थे, जिनमें से दो को सुरक्षित निकाल लिया गया, जबकि तीन लोग लापता हो गए। खेरवाड़ा थानाधिकारी दलपत सिंह ने बताया कि रेस्क्यू अभियान के दौरान देर रात दो लापता लोगों के शव बरामद कर लिए गए, लेकिन एक शख्स अब भी लापता है। उसकी तलाश जारी है। राजस्थान में पिछले चार दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। आधा दर्जन से अधिक जिलों के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं और नदी-नाले उफान पर हैं। सवाई माधोपुर, कोटा, बूंदी, टोंक, दौसा, उदयपुर, झालावाड़ और सीकर में स्थिति गंभीर बनी हुई है। सोमवार को 18 जिलों में स्कूल बंद रखने पड़े, वहीं कोटा विश्वविद्यालय की परीक्षाएं स्थगित कर दी गईं।

पेड़ पर लटका मिला युवक-युवती का शव

बीजापुर। जिला मुख्यालय बीजापुर से लगे ग्राम तुरनाम के जंगल में युवक-युवती का शव पेड़ पर लटका मिला है. इस घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा के बाद दो शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है. शवों से दुर्गंध आ रही थी. ग्रामीणों के बताए अनुसार दोनों शव पिछले एक सप्ताह से पेड़ पर लटके रहे हैं. बीजापुर कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गेश शर्मा ने बताया कि मामला प्रेम-प्रसंग का है. इस मामले से पुलिस के हाथों मोबाइल से एक वीडियो भी हाथ लगा है.

राहुल-प्रियंका के बिहार दौरे से कोई फर्क नहीं पड़ेगा : रविशंकर प्रसाद

पटना। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में बिहार में चल रही इंडिया ब्लॉक की वोटर अधिकार यात्रा में मंगलवार को सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हुईं। उनकी मौजूदगी से कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। हालांकि, प्रियंका गांधी वाड्रा के शामिल होने पर भाजपा ने कड़ा प्रहार किया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि भाई आए, बहन आईं, दौरे से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। फिर से वही गलत बयानबाजी करेंगे। पत्रकारों से खास बातचीत में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने एफिडेविट क्यों नहीं फाइल किया? क्योंकि उन्हें पता था कि झूठ बोलने पर कार्रवाई होगी। पेगासस और राफेल मामले में भी वही रवैया अपनाया। मीडिया, सीबीएसई, कैग और अब चुनाव आयोग तक को गाली देना राहुल गांधी की आदत बन गई है। उनका एक ही मंत्र है, ना कायदा सही, ना कानून सही, जो राहुल कहे वही सही। लेकिन, देश ऐसे नहीं चलेगा। रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी और कांग्रेस को चेतावनी देते हुए कहा कि बिहार की जनता इनकी झूठी बातों का करारा जवाब देगी।

बारिश से कई गांवों का संपर्क टूटा

बस्तर क्षेत्र में भारी बारिश,कार पानी में बहने से चार की मौत..

जगदलपुर/बीजापुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में पुल पार करने के दौरान एक कार के पानी में बहने से उसमें सवार दंपति और उनकी दो बेटियों की मौत हो गई. वहीं एक अन्य घटना में बीजापुर जिले में नदी पार करते समय एक व्यक्ति बह गया. पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी.जगदलपुर के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस्तर जिले में मंगलवार शाम कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में बाढग्रस्त कांगेर नाला पार करते समय एक कार के तेज बहाव में बह जाने से एक परिवार के चार सदस्य डूब गए. उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान राजेश कुमार जी (43), उनकी पत्नी पवित्रा (40) और उनकी दो बेटियों सौजन्या (सात) और सौमैय्या (चार) के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि कार चालक लाला यदु ने एक पेड़ को पकड़कर अपनी जान बचाई. बाद में उसे नाले से बाहर निकाला गया.अधिकारी ने बताया कि राजेश तमिलनाडु के मूल निवासी थे और रायपुर में ठेकेदार के तौर पर काम करते थे. परिवार बस्तर घूमने गया था. उन्होंने बताया कि जब वह कांगेर नाला पार कर रहे थे तब उनकी कार नाले में डूब गई. नदी का जलस्तर कम होने के बाद मंगलवार देर शाम चारों के शव बाहर निकाले गए. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में, मंगलवार को बीजापुर जिले में उफ़नती चेरपाल नदी को पार करते समय एक व्यक्ति बह गया. उसकी तलाश जारी है.अधिकारियों ने बताया कि राज्य के बस्तर संभाग में पिछले 36 घंटों के दौरान हो रही बारिश से क्षेत्र के कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं. राज्य शासन ने अधिकारियों को बाढ़ की स्थिति से निपटने और राहत और बचाव कार्य शुरू करने के लिए सतर्क रहने कहा है. उन्होंने बताया कि क्षेत्र के बस्तर, बीजापुर और दंतेवाड़ा जिलों में पिछले 36 घंटों में 68 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है. अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान में हेलीकॉप्टर, नाव और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के जवान शामिल हैं. उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में हुई अतिवृष्टि से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली. उन्होंने राजस्व सचिव एवं आपदा राहत आयुक्त रीना बाबासाहेब कंगाले और बस्तर संभाग आयुक्त डोमन सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए. राजस्व सचिव कंगाले ने मुख्यमंत्री को बताया कि दंतेवाड़ा, बीजापुर और बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है. बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा, दरभा और तोकापाल विकासखंड में प्रशासन लगातार राहत कार्य संचालित कर रहा है. लोहंडीगुड़ा विकासखंड के मांदर गांव से 21 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला गया है. वहीं, लोहंडीगुड़ा क्षेत्र में हेलीकॉप्टर और नाव की सहायता से ग्रामीणों को बचा कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया. बीते 24 घंटों में 68 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है. साय ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एसडीआरएफ को हाई अलर्ट पर रखा जाए और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए. उन्होंने संभाग के सभी कलेक्टरों को निचले इलाकों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क करने और सुरक्षित स्थानों पर जल्द पहुंचाने के निर्देश दिए.

वाटर फॉल का आनंद लेने जा रहे थे तीरथगढ़ जलप्रपात

बताया जाता है कि तमिलनाडु का रहने वाला परिवार बरसात में वाटर फॉल का आनंद लेने के लिये तीरथगढ़ जलप्रपात घूमने के लिये जा रहा था। कार सवार मालिक 43 वर्षीय राजेश रायपुर में रहकर ठेकेदारी करता था। मंगलवार को राजेश कार में अपनी पत्नी पवित्रा 40 वर्ष, सौजन्या 7 वर्ष, सौमया 4 वर्ष को लेकर रायपुर से तीरथगढ़ घूमने के लिए जा रहे थे कि अचानक जैसे ही वाहन कांगेर घाटी के पास पहुँचा कि तेज बारिश होने से बाढ़ की बहाव में बह गया। इसके बाद चारों को बचाने के लिए दरभा पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। बरसात का पानी (बाढ़) अधिक होने के कारण पति-पत्नी सहित दोनों बच्चों ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी पर चारों के शव को बाढ़ से निकालकर मेकाज अस्पताल जगदलपुर में पीएम के लिए भेजा गया है, जहाँ पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जायेगा। बताया जाता है कि हादसे के वक्त कार का ड्राइवर किसी तरह से तैरकर पेड़ के सहारे अपनी जान बचायी। मृतक चारों लोग तमिलनाडु के रहने वाले थे। कहीं न कहीं ये हादसा तेज बहाव में लापरवाही की वजह से हुआ है। दरअसल, परिवार जल्दबाजी में उफ़नते नाले को पार करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उनकी इस लापरवही से चार जिंदगियां छीन गई। ऐसे में दुर्घटना से देर भलीज यही संदेश इस हादसे से निकलकर सामने आ रहा है।

नक्सल-रोधी कमांडो को मिली सफलता

महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा के पास मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर.....

गडचिरोली। पूर्वी महाराष्ट्र के गडचिरोली जिले में बुधवार को एक मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों सहित कम से कम चार नक्सली मारे गए. यह जानकारी अधिकारियों ने दी. पुलिस के एक बयान में कहा गया कि यह घटना गडचिरोली और छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले की सीमा के पास हुई. बयान में कहा गया है कि पुलिस को 25 अगस्त को गट्टा दलम, कंपनी नंबर 10 और गडचिरोली डिवीजन के अन्य माओवादी इकाइयों के कोपरशी वन क्षेत्र में मौजूद होने के बारे में विश्वसनीय सूचना मिली थी. बयान में कहा गया है कि गडचिरोली पुलिस के नक्सल-रोधी कमांडो बल सी-60 की 19 इकाइयां और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की त्वरित कार्रवाई टीम की दो इकाइयां क्षेत्र में भेजी गईं. बयान में कहा गया है कि पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के बावजूद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओरातिजंस एम. रमेश के नेतृत्व में टीम बुधवार सुबह जंगल में पहुंची. बयान में कहा गया है कि जब टीम तलाशी अभियान चला रही थी, तब नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी. बयान के अनुसार सुरक्षाकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की और लगभग आठ घंटे तक रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही. अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद, तीन महिला और एक पुरुष के शव के साथ ही एक एसएलआर राइफ़ल, दो इंसास राइफ़ल और एक .303 राइफ़ल बरामद की गई. बयान में कहा गया है कि इलाके में बाकी नक्सलियों की तलाश के लिए अभियान जारी है.

अहमदाबाद बनेगा 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का दावेदार, मोदी कैबिनेट ने लगाई मुहर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में भारत के 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की बोली लगाने के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी गई। सरकार ने अहमदाबाद को इस आयोजन के लिए आदर्श शहर बताते हुए कहा कि यहां विश्वस्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक ट्रेनिंग सुविधाएं और खेलों के प्रति जुनूनी माहौल मौजूद है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब कुछ ही दिन पहले भारतीय ओलंपिक संघ ने 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' जमा करने के बाद भारत की इस बोली को मंजूरी दी थी।

और करीब आ रहे हैं ठाकरे बंधु

गणेश चतुर्थी के अवसर पर राज के घर पहुंचे उद्धव.....

मुंबई। नगर निगम चुनावों के लिए दोनों दलों के बीच गठबंधन की चर्चा के बीच, शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के आवास पर गए। नवंबर 2021 में राज ठाकरे के अपने नए आवास में आने के बाद से यह उनकी पहली यात्रा थी। उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि और उनके बेटे, पूर्व मंत्री आदित्य भी उनके साथ थे। राज ठाकरे पिछले महीने उद्धव ठाकरे को उनके जन्मदिन की बधाई देने उनके घर गए थे। दोनों ने जुलाई में महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने के अब रद्द कर दिए गए कदम के विरोध में मंच साझा किया था। निकाय चुनावों से पहले मराठी वोट बैंक को मज़बूत करने के लिए उनके बीच सुलह की खबरों के बाद, ठाकरे भाइयों को पहली बार एक साथ देखा गया था।

भूपेश को लड़ना होगा दो मोर्चे पर लड़ाई, बैज भी आर पार के मूड में

मनीष श्रीवास्तव
उप संपादक

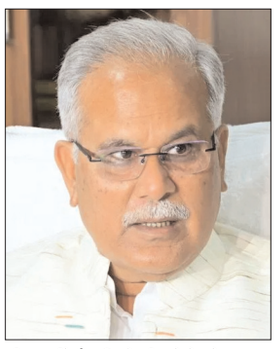

रायपुर(समय दर्शन)। एक ओर जहां चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के बाद सारे नेता जब शांत होकर बैठ गए वही दूसरी तरफ भूपेश बघेल दिन प्रतिदिन आक्रामक होते जा रहे है।गृह मंत्री को तड़ीपार कहकर भूपेश ने साबित कर दिया कि वो टूटकर किसी समझौता या सैटिंग में नहीं लगे है ,अब आर पार की लड़ाई हेतु कमर कस चुके है।आने वाले समय में छत्तीसगढ़ की राजनीति में बहुत कुछ होने वाला तय है, भूपेश को दो मोर्चे पर लड़ाई लड़नी है। एक अपनी ही पार्टी के विरोधी खेमे से दूसरा सरकारी एजेंसी से,पार्टी के अंदर तलवार खींच चुकी हैं।एक ओर दीपक बैज खुलकर आर पार के मूड में है,और रविन्द्र चौबे की शिकायत कर बता दिया है कि अब वो किसी भी हाल में अनुशासन हीनता बर्दाश्त नहीं करेंगे,और उनको छेड़ने का अर्थ आदिवासी समाज को छेड़ना। बिसात बिछ गई है अब देखना यह होगा कि टी एस बाबा किस ओर जाते हैं और महंत जी क्या रुख होगा।

पंजाब के स्कूलों में बच्चों को जल्द मिलेगा ब्रेकफास्ट, सीएम मान बोले- कैबिनेट में लाएंगे प्रस्ताव

चंडीगढ़। तमिलनाडु दौरे पर गए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा है कि राज्य के सरकारी स्कूलों में जल्द ही 'ब्रेकफास्ट स्कीम' शुरू की जाएगी। सीएम मान ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के साथ मिलकर शहरी प्राथमिक स्कूलों में चल रही ब्रेकफास्ट स्कीम का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों को भोजन परोसा और उनके साथ बैठकर नाश्ता भी किया। मान ने कहा कि पंजाब सरकार इस योजना को लागू करने पर कैबिनेट में चर्चा करेगी। उनका कहना था कि इससे बच्चों की पोषण स्थिति और शिक्षा दोनों को लाभ होगा।

वोटर अधिकार यात्रा में राहुल गांधी का आरोप

गुजरात कोई आर्थिक मॉडल नहीं,वोट चोरी का मॉडल है

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा नेता राहुल गांधी ने राजद नेता तेजस्वी यादव और सीपीआई (एमएल) नेता दीपांकर भट्टाचार्य के साथ बुधवार को मुजफ्फरपुर में 'मतदाता अधिकार यात्रा' निकाली। उनके साथ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके सांसद कनिमोझी भी शामिल हुए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि यहां आते समय 6 साल के बच्चों के एक समूह ने मेरी तरफ देखा और कहा 'नरेंद्र मोदी वोट चोर'। 6 साल के बच्चे भी समझ गए हैं कि भारत में वोट चोरी हो रहे हैं। कुछ दिन पहले अमित शाह ने कहा था कि भाजपा अगले 40 साल तक सत्ता में रहेगी। राहुल ने कहा कि राजनीति में क्या होगा, यह कोई नहीं जानता, लेकिन अमित शाह अगले 40 साल का भविष्य जानते हैं। कैसे? वोट चोर। भाजपा पर निशान साधते हुए उन्होंने कहा कि वोट चोरी की शुरुआत 2014 से पहले गुजरात में हुई थी। और 2014 में वे इसे राष्ट्रीय स्तर पर ले आए। गुजरात मॉडल कोई आर्थिक मॉडल नहीं है; यह 'वोट चोरी' का मॉडल है। उन्होंने मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव चुराए। हमने कुछ नहीं कहा क्योंकि हमारे पास कोई सबूत नहीं था। लेकिन हमें महाराष्ट्र में सबूत मिल गए क्योंकि उन्होंने वहाँ बहुत ज़्यादा वोट चुराए। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में लगभग 1 करोड़ वोट और जोड़ दिए।

ऑपरेशन सिंदूर से लोगों में संतुष्टि आई....

जिसे ऑपरेशन महादेव ने आत्मविश्वास में बदला-अमित शाह

नयी दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंक के आकाओं को स्पष्ट संदेश दिया कि भारतीय नागरिकों को निशाना बनाने पर उन्हें परिणाम भुगतने होंगे. शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से लोगों को जहां संतुष्टि मिली वहीं ऑपरेशन महादेव ने इस संतुष्टि को आत्मविश्वास में बदला.गृह मंत्री ने यह बात सेना के उन 12 जवानों को सम्मानित करते हुए कही, जिन्होंने ऑपरेशन महादेव को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराया. इस अभियान में शामिल जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के दो-दो जवानों को भी सम्मानित किया गया. ये दोनों अभियान 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए क्रूर हमले का सीधा जवाब थे, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे.गृह मंत्री ने कहा, चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव को लेकर खुशी एवं उत्साह महसूस किया और सुरक्षा बलों के प्रति आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति यही विश्वास हर क्षेत्र में दुनिया में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने की भारत की आकांक्षा का आधार है. सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में मई में ऑपरेशन सिंदूर चलाया था जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों एवं सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया था.पहलगाम

नरसंहार के तुरंत बाद शुरू किये गए ऑपरेशन महादेव में 28 जुलाई को तब सफल मिली, जब सेना के विशिष्ट पैरा कमांडो ने मुख्य साजिशकर्ता सुलेमान उर्फ आसिफ और उसके दो सहयोगियों जिबरान और हमजा अफ़गानी को मार गिराया. यह अभियान तब शुरू किया गया जब तकनीकी सिग्नल से पता चला कि अपराधियों ने सैटेलाइट फोन का इस्तेमाल किया है.शाह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंक के आकाओं को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीय नागरिकों की जान से खेलने का क्या परिणाम होता है. गृह मंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों ने दुनिया को दिखा दिया है कि आतंकवादी चाहे कोई भी रणनीति अपना लें, वे अब भारत को नुकसान पहुंचाकर बच नहीं सकते. राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की न्यायालयी विज्ञान प्रयोगशाला ने पुष्टि की है कि 28 जुलाई को मारे गए आतंकवादी वास्तव में पहलगाम नरसंहार के अपराधी थे.उन्होंने कहा कि जब कश्मीर में पर्यटन फल-फूल रहा था, तब पहलगाम हमला 'कश्मीर मिशन' को पटरी से उतारने का एक असफल प्रयास था. गृह मंत्री ने कहा कि सेना और अर्धसैनिक बलों के साथ-साथ, जम्मू-कश्मीर पुलिस भी अब आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रही है. उन्होंने कहा, भारतीय नागरिकों के दिलों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूरे देश की ओर से सुरक्षा बलों को बधाई देता हूं.

पहलगाम हमला 'कश्मीर मिशन' को पटरी से उतारने का असफल प्रयास

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब कश्मीर में पर्यटन अपने चरम पर था, पहलगाम हमला 'कश्मीर मिशन' को पटरी से उतारने का एक असफल प्रयास था। शाह ने यह भी कहा कि सेना और अर्धसैनिक बलों के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस अब आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रही है। गृह मंत्री ने कहा, 'चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी ने ऑपरेशन सिंदूर और महादेव को लेकर खुशी और उत्साह महसूस किया और सुरक्षा बलों के प्रति आभार व्यक्त किया।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा में यही विश्वास भारत की हर क्षेत्र में दुनिया में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने की आकांक्षा का आधार है।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने गैलेक्सी एम्पावर्ड को मुंबई में लॉन्च किया, शिक्षकों के लिए एआई और टेक्नोलॉजी प्रशिक्षण लेकर आया

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग, ने आज अपने गैलेक्सी एम्पावर्ड कार्यक्रम का मुंबई चैप्टर लॉन्च किया। इस अनूठे समुदाय-प्रेरित कार्यक्रम का मकसद शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और स्कूल प्रशासकों को नए डिजिटल टूल्स और आधुनिक शिक्षण विधियों से प्रशिक्षित करके कक्षाओं में बदलाव लाना है। नई दिल्ली में इस कार्यक्रम की सफल शुरुआत के बाद, जहां 250 से अधिक स्कूलों में 2,700 से ज्यादा शिक्षकों को प्रमाणित किया गया, गैलेक्सी एम्पावर्ड अब मुंबई में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है। मुंबई, भारत का वित्तीय और शैक्षिक केंद्र है और इस कार्यक्रम की मदद से कंपनी देश के शिक्षा तंत्र पर स्थायी प्रभाव डालना चाहती है। मुंबई लॉन्च इवेंट में महाराष्ट्र और पड़ोसी राज्यों के 250 स्कूलों से 350 से अधिक शिक्षक और स्कूल लीडर्स एकत्र हुए, जो इस कार्यक्रम की गति और शिक्षकों में व्यावसायिक विकास की मांग को दर्शाता है। इस आयोजन में श्री मंगल प्रभात लोढ़ा, महाराष्ट्र के माननीय कौशल विकास, उद्यमिता और नवाचार मंत्री, श्री विशाल वी. शर्मा, यूनेस्को, पेरिस में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि, और श्री हिमांशु गुप्ता, सीबीएसई सचिव, के साथ-साथ सैमसंग इंडिया के वरिष्ठ लीडर, शिक्षा विशेषज्ञ और सीबीएसई, आईसीएसई, आईबी, आईजीसीएसई और राज्य बोर्डों का प्रतिनिधित्व करने वाले सैकड़ों शिक्षक शामिल हुए। राजू पुल्लन, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, एमएक्स बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा, मुंबई भारतीय शिक्षा में नवाचार की भावना को दर्शाता है। गैलेक्सी एम्पावर्ड के साथ, हम शिक्षकों को ऐसे टूल्स दे रहे हैं, जो छात्रों का ध्यान आकर्षित करें, उनकी जिज्ञासा बढ़ाएं और देश भर की कक्षाओं में सार्थक बदलाव लाएं। हमारा लक्ष्य 2025 तक 20,000 शिक्षकों को सशक्त बनाना है और मुंबई इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। श्री मंगल प्रभात लोढ़ा, महाराष्ट्र के माननीय कौशल विकास, उद्यमिता और नवाचार मंत्री ने कहा, भारत पहले से कहीं तेजी से आगे बढ़ रहा है, और सैमसंग गैलेक्सी एम्पावर्ड जैसे कार्यक्रम एक कुशल और भविष्य के लिए तैयार राष्ट्र को आकार देने में हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। अगर हर व्यक्ति अपना सर्वश्रेष्ठ दे, तो कोई भी भारत को विश्व गुरु बनने से नहीं रोक सकता। सैमसंग आज जो कर रहा है, वह उस जीवनशैली की दिशा तय करता है, जिसे हम बनाना चाहते हैं। शिक्षकों को सशक्त बनाकर, हम समाज के भविष्य को एक साथ आकार देंगे, और भारत नई ऊंचाइयों को छुएगा।

कांग्रेस के संगठन सृजन, कार्यक्रम के तहत हुई मंडल स्तरीय बैठक

जगदलपुर। देशभर में कांग्रेस पार्टी संगठन सृजन अभियान चला रही है। छत्तीसगढ़ में पीसीसी चीफ दीपक बैज के निर्देश पर सभी जिलों में बूथ, सेक्टर, मंडल, ब्लॉक एवं जिले के संगठन सृजन का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। इसी कड़ी में बस्तर जिला शहर ईकाई में भी अब संगठन सृजन ने रफ्तार पकड़ ली है और बाकायदा ज़मीनी स्तर के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठकों का दौर भी लगातार जारी है। इसी कड़ी में कांग्रेस शहर जिला अध्यक्ष सुशील मौर्य के निर्देश और मार्गदर्शन में संगठन सृजन प्रभारी सूर्या पानी की उपस्थिति में उत्तर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष बलराम यादव के नेतृत्व में 6 वार्डों को मिलाकर बनाए गए एक मंडल की बैठक 25 अगस्त को पनारापारा स्थित सामुदायिक भवन में संपन्न हुई। इस बैठक में मंडल और सेक्टर के सभी छोटे बड़े नेता शामिल हुए तथा मंडल और सेक्टर की संरचना गठन पर चर्चा कर रिपोर्ट जिला अध्यक्ष हेतु प्रेषित की गई।बता दें कि कृष्ण मंदिर सेक्टर और धरमपुरा सेक्टर को मिलाकर एक मंडल का गठन किया जा रहा है जिसमें कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड, अटल बिहारी वाजपेयी वार्ड, रमैया वार्ड, सुभाष चंद्र बोस वार्ड, प्रवीण चंद्र भंजदेव वार्ड और विजय वार्ड शामिल किए गए हैं। संगठन सृजन बैठक में मुख्य रूप से उत्तर ब्लॉक के अध्यक्ष बलराम यादव, वरिष्ठ कांग्रेसी रामशंकर राव, हनुमान द्विवेदी, पूर्व वरिष्ठ पार्षद गौरनाथ, पार्षद शुभम यदु, पार्षद जिला महामंत्री जाहिर हुसैन, पार्षद सूर्या पानी, युकां राष्ट्रीय प्रवक्ता जावेद खान, मनोज साहनी, ईश्वर बघेल, सागर कश्यप, लंबो महापात्र, लोकेश नंदा, मुकेश निषाद, प्रभुचंद कश्यप एवं आशीष बघेल उपस्थित थे।

निधन : श्रीमती डेरहिन बाई चेलक

भिलाई। खम्हरियाभाठा (जुनवानी) वार्ड 01 भिलाई नगर (छाटा वाली) निवासी श्रीमती डेरहिन बाई चेलक पति जैनलाल चेलक का निधन मंगलवार को हो गया है। उनका अंतिम संस्कार ग्राम खपरी के मुक्तिधाम में किया गया। वे जैन लाल चेलक की पत्नी जनकलाल, पीलालाल चेलक की माता थी।

सच्चाई जाने बिना भ्रामक समाचार प्रसारित कर छवि धूमिल करने का प्रयास

स्थानीय संवाददाता द्वारा बिना तथ्य के छापा गया गलत समाचार, पीड़ित व्यक्ति ने पत्रकारों के समक्ष रखी अपनी व्यथा ...

कोरबा(पोड़ी उपरोड़ा)/बिलासपुर। एक न्यूज पोर्टल में स्थानीय संवाददाता द्वारा भ्रामक और तथ्यहीन समाचार प्रस्तुत कर लक्ष्मी नारायण पटेल नामक व्यक्ति की छवि को धूमिल करने का दुष्प्रयास किया गया है बिना कोई स्पष्ट कारण के जाने तथ्य हीन समाचार पोर्टल में प्रसारित कर दिया गया।

स्पष्ट किया जाता है कि पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड अंतर्गत के ग्राम रांवा निवासी समुंद सिंह उईके के छः वर्षीय पुत्र संजीव कुमार उईके की मृत्यु अचानक तबियत बिगड़ने और पेट में दर्द होने के कारण दिनांक 4 अगस्त रात्रि के लगभग 1 बजे को हुआ था। मृतक बालक संजीव कुमार उईके के पिता समुंद सिंह उईके और उनके परिवार से पूछ परख करने पर उन्होंने किसी भी स्थानीय स्वास्थ्य प्रैक्टिशनर से इलाज नहीं कराने की बात स्पष्ट रूप से कबूल किया गया ,जबकि स्थानीय संवाददाता महेंद्र सोनवानी ग्राम पुटुआ निवासी द्वारा

प्रति,

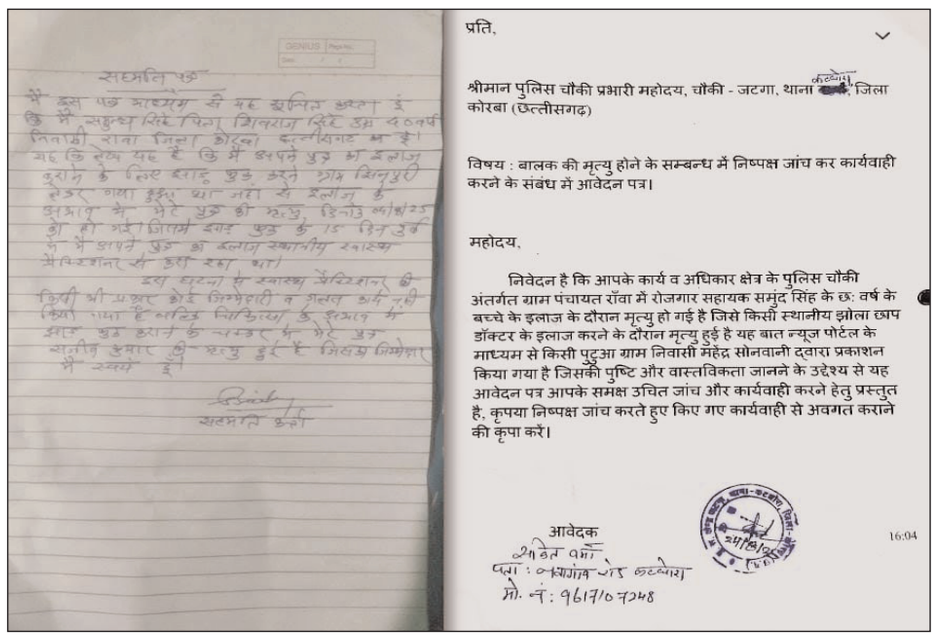

श्रीमान पुलिस चौकी प्रभारी महोदय, चौकी - जटगा, थाना कटघोरा, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़)

विषय : बालक की मृत्यु होने के सम्बन्ध में निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही करने के संबंध में आवेदन पत्र।

महोदय,

निवेदन है कि आपके कार्य व अधिकार क्षेत्र के पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत राँवा में रोजगार सहायक समुंद सिंह के छः वर्ष के बच्चे के इलाज के दौरान मृत्यु हो गई है जिसे किसी स्थानीय झोला छाप डॉक्टर के इलाज करने के दौरान मृत्यु हुई है यह बात न्यूज पोर्टल के माध्यम से किसी पुटुआ ग्राम निवासी महेंद्र सोनवानी दवारा प्रकाशन किया गया है जिसकी पुष्टि और वास्तविकता जानने के उद्देश से यह आवेदन पत्र आपके समक्ष उचित जांच और कार्यवाही करने हेतु प्रस्तुत है, कृपया निष्पक्ष जांच करते हुए किए गए कार्यवाही से अवगत कराने की कृपा करें।

आवेदक

मो. नं.: 9617107248

16:04

बिना कोई स्पष्टता जाने सिरकी निवासी लक्ष्मी पटेल के विरुद्ध समुंद सिंह उईके के पुत्र को गलत इलाज करने के कारण छः वर्षीय बालक की मृत्यु होना बताकर भ्रामक एवं तथ्यहीन समाचार प्रकाशित कर लक्ष्मी पटेल की छवि धूमिल किया गया जिससे उन्हें गहरा ठेस पहुंचा है जिसके कारण उन्होंने पत्रकारों के समक्ष अपनी बात रखी है।

ज्ञात हो कि महेंद्र सोनवानी ने विद्वेष वश या किस कारण से लक्ष्मी नारायण पटेल के खिलाफ भ्रामक समाचार प्रकाशित किया यह अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाया है , एन टी वी टाइम न्यूज पोर्टल के न्यूज फीड पर अभी भी डॉक्टर के विरुद्ध समाचार दिखने से कई पत्रकारों और न्यूज चैनल का इस संबंध में लगातार लक्ष्मी नारायण पटेल के पास बार बार फोन काल आ रहे है जिससे वह गंभीर रूप से परेशान महसूस कर रहा है। हालांकि कुछ पत्रकारों द्वारा लगे समाचार की तथ्यों की पुष्टि करने के लिए संबंधित पुलिस चौकी में आवेदन पत्र दिया गया है इस मामले में पूरी जानकारी और तथ्यों को जानने के बाद पुनः समाचार प्रकाशित किया जाएगा।

रानीतराई में कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ भव्य शुभारंभ, छत्तीसगढ़ की संस्कृति,परंपरा,खेल हमारी धरोहर है...अशोक साहू

पाटन (समय दर्शन)। दक्षिणमुखी कीड़ा मंडल एवं ग्रामवासी के तत्वाधान में एक दिवसीय छत्तीसगढ़ स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि भूपेश बघेल(पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधायक पाटन)के प्रतिनिधि अशोक साहू पूर्व उपाध्यक्ष ज़िप दुर्ग थे,अध्यक्षता राजेश ठाकुर(ब्लॉक अध्यक्ष जामगांव आर)ने की, विशेष अतिथि रूपेन्द्र शुक्ला (महा.जि.कां.क.दुर्ग,सरपंच जामगांव आर),रश्मि भेदप्रकाश वर्मा(सदस्य जनपद पंचायत पाटन),सत्यनारायण टिकरिहा(सरपंच ग्राम पंचायत रानीतराई),भविष्य जैन(विधा.प्रति. स्व.दाऊ रामचन्द्र साहू महा.),राजा ठाकुर(उपसरपंच),पी.आर विनायक,मल्लू कश्यप,केदार वर्मा,सुमीत विश्वकर्मा ने हनुमानजी महराज,छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना पश्चात किए।

मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति,परंपरा,खेल हमारी धरोहर है।इसे संजो कर रखना हम सबका दायित्व है,पूर्व में भूपेश बघेल की सरकार ने लगातार हमारी परंपरा,आस्था,संस्कृति,खेल,खानपान को बढ़ावा देने का प्रयास हुआ था।

ब्लॉक अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कबड्डी खेल दिमाग का खेल होता है,बड़ा देख के डरना नहीं,छोटा देख के लड़ना नहीं,साथ ही खेलभावना से खेलना चाहिए।

महामंत्री रूपेंद्र शुक्ला ने वर्तमान में छत्तीसगढ़ प्रदेश की स्थिति बहुत ही विकट दिखाई दे रही है।विकास तो कोसो दूर हो गई है साथ ही हमारी धरोहर को जीवंत रखने के लिए युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किए। इस दौरान डॉ.रामनाथ साहू,नीलमणी साहू,विष्णु वर्मा, समारु देवांगन, शब्बीर खान, रामप्रताप यादव, राजू निर्मलकर,गोपेश्वर चकधारी, चन्द्रहास चक्रधारी, निखिल साहू,मोंटू खान,टेकराम पटेल, युवराज, खेमन, खूबी साहू,ललित ग्रहण, त्रिभुवन वर्मा, सुरेन्द्र यादव, उकेस, कुंदन, रवि, पंचगण एवं समस्त ग्रामवासी एवं खिलाड़ी मौजूद थे।

अग्निवीर भर्ती : वायुसेना में भर्ती हेतु 27 अगस्त व 02 सितम्बर होगा रैली का आयोजन

मुंगेली(समय दर्शन) भारतीय वायु सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए ओड़िसा के बरिपाडा में रैली का आयोजन किया जाएगा। पुरूष अभ्यर्थियों के लिए 27 अगस्त और महिला अभ्यर्थियों के लिए 02 सितम्बर को रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली में शामिल होने के लिए आवेदकों की उम्र 01 जनवरी 2005 से 01 जुलाई 2008 के बीच होना चाहिए। उक्त तिथि में प्रवेश का समय प्रातः 06 से 10 बजे तक निर्धारित किया गया है। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी https://agnipathvayu.cdac.in/AV/ का अवलोकन कर सकते हैं।

इसी तरह मेडिकल असिस्टेंट के पद पर भर्ती के लिए वायु सेवा स्टेशन बैरकपुर पश्चिम बंगाल में रैली का आयोजन किया जाएगा। कक्षा 12वीं में बायोलॉजी विषय के आवेदकों के लिए 30 अगस्त और डिप्लोमा बीएससी फर्मेसी के आवेदन के लिए 02 सितंबर को रैली का आयोजन किया जाएगा। बायोलॉजी विषय के आवेदकों की जन्म तिथि 01 जनवरी 2005 से 01 जनवरी 2009 के बीच तथा डिप्लोमा बीएससी फर्मेसी के विवाहित आवेदकों की जन्मतिथि 01 जनवरी 2002 से 01 जनवरी 2005 और अविवाहित अभ्यर्थियों के लिए 01 जनवरी 2002 से 01 जनवरी 2007 के बीच होना चाहिए। वायु सेना के सार्जेंट यू संतोष एवं राजू राजपूत ने जिला कलेक्टोरेट में कलेक्टर कुन्दन कुमार से मुलाकात की और जिले से ज्यादा से ज्यादा युवाओं को अग्नि वीर बनने के लिए प्रेरित करने आग्रह किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडेय और एपीओ रामनाथ गुप्ता भी मौजूद रहे। वायु सेवा के अधिकारियों ने जिले के विभिन्न महाविद्यालयों, बी आर साव स्कूल, जिला ग्रंथालय में छात्र-छात्राओं को अग्निवीर बनने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि अग्निवीर बनने के लिए छात्र-छात्राओं की ऊंचाई 152 सेंटीमीटर होना अनिवार्य है। भर्ती हेतु 12वीं पास किसी भी संकाय का विद्यार्थी भाग ले सकता है। भर्ती के लिए विभिन्न राज्यों में शिविर लगाए जाते हैं तथा हर 06 माह में ऑनलाइन आवेदन कर भी भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। भर्ती के लिए लिखित परीक्षा पास करना होता है, फिजिकल टेस्ट होता है, दौड़ 1.6 किलोमीटर लड़कों के लिए 07 मिनट में लड़कियों के लिए 08 मिनट में तत्पश्चात पुशअप, सिटअप भी कराया जाता है। एक इंटरव्यू किया जाता है, शारीरिक परीक्षण किया जाता है, शरीर में किसी भी प्रकार का टैटू होने से अनफिट माना जाता है भर्ती हेतु कक्षा 12वीं में 50त्न अंक प्राप्त करना अनिवार्य है साथ ही अंग्रेजी विषय में भी 50त्न अंक की अनिवार्यता है।

गजेंद्र यादव को केबिनेट मंत्री बनाये जाने पर दी बधाई एवं किया अभिनंदन

छत्तीसगढ़ के शिक्षा जगत में नए क्रांति का होगा आगाज - खेमलाल साहू

सेलूद/छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री बनाये जाने पर गजेंद्र यादव को बधाई प्रेषित करने वालो का तांता लगा है द्य ग्राम सेलूद के खेमलाल साहू पूर्व मण्डल अध्यक्ष, अजय सिंग ठाकुर, संजय यदु, नेत्रपाल सिंह ने उनके निवास में पहुंचकर पुष्प गुच्छ भेंट करके शुभकामनाएं प्रेषित किया द्य खेमलाल साहू ने इस अवसर पर कहा कि निश्चित रूप से शिक्षा विभाग में नई क्रांति का आगाज करेंगे द्य उम्मीद किया जाता है कि बच्चों के शिक्षा के क्षेत्र में जितना हो सके अधिक से अधिक सुविधायुक्त कार्य को सफल किया जाएगा द्य संजय यदु ने कहा कि भाजपा सरकार ने यादव समाज के मान सम्मान का ध्यान रखते हुए निश्चित अनुकरणीय कार्य किया है द्य यादव समाज मे पूरे छत्तीसगढ़ में हर्ष का माहौल है द्य यादव समाज उम्मीद करती है कि सामाजिक क्षेत्र में भी सामाजिक संगठन को मजबूत करने में कार्य करेंगे द्य

छत्तीसगढ़ में एनएचएम कर्मचारियों की हड़ताल जारी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश के 16,000 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारी अपनी नियमितीकरण की मांग को लेकर नौवें दिन भी हड़ताल पर डटे रहे। मंगलवार, 26 अगस्त 2025 को प्रदेशभर में महिला कर्मचारियों ने भी तीज पर्व पर निर्जला व्रत रखते हुए आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई। कई कर्मचारी अपने छोटे बच्चों को लेकर भी धरना स्थल पर पहुंचे। हड़ताल की वजह से प्रदेश की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ठप हो गई हैं। इनमें एचआरएमआईएस, आरसीएच, एचआरपी, मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा, प्रसव सेवा, यूविन एंट्री, आईएचआईपी ऑनलाइन एंट्री, एनसीडी प्रोग्राम, डेटा एंट्री कार्य, टीबी एवं टीकाकरण सेवाएं, बाल रोग निदान केंद्र, श्रवण जांच केंद्र, कुपोषित शिशु आहार केंद्र, हमर क्लिनिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उपस्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। एनएचएम कर्मचारियों का कहना है कि संविदा पदों पर काम करने वालों को नियमित किया जाए ताकि उन्हें प्रताड़ना और असमानता से बचाया जा सके। उनका आरोप है कि रेगुलर स्टाफको अधिक सुविधाएं और छुट्टियां मिलती हैं, जबकि संविदा कर्मचारियों से अधिक काम लेकर भी उन्हें समान सम्मान नहीं दिया जाता। यहां तक कि राष्ट्रीय पर्वों पर भी उन्हें सम्मानित नहीं किया जाता। इधर, कुछ महिला कर्मचारियों ने तीज पर्व के अवसर पर हाथों में मेहंदी रचाकर हड़ताल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं, एनएचएम प्रबंध निदेशक ने स्वास्थ्य विभाग से हड़ताल पर गए कर्मचारियों और अधिकारियों की संख्या की जानकारी मांगी है। एनएचएम कर्मचारी संघ ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी 10 सूत्रीय मांगें पूरी नहीं होतीं, वे हड़ताल खत्म नहीं करेंगे। इसी कड़ी में दुर्ग जिले के कर्मचारियों ने घोषणा की है कि कल गणेश चतुर्थी के अवसर पर च्सद्बुद्धि यज्ञज्ज का आयोजन किया जाएगा, ताकि सरकार को कर्मचारियों की मांगों को स्वीकार करने की प्रेरणा मिल सके।

मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के दिशा निर्देशन में पहल अभियान मुंगेली पुलिस द्वारा चलाये जा रहा है

मुंगेली (समय दर्शन)। जिला मुंगेली 11 विद्यालय के 5000 विद्यार्थी एवं स्कूल के शिक्षक द्वारा हाथ में मेंहदी सायबर जागरूकता एवं मानव श्रृंखला बनाकर दिनांक 25/08/2025 को पहल जागरुकता कार्यक्रम का किया गया सफल आयोजन ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्वामी आत्मानन्द स्कूल दाऊ पारा मुंगेली, नवोदय विद्यालय दाबो,जेसीस स्कूल, रैंबो स्कूल, सेन जेवियर्स स्कूल, अल्फा पब्लिक स्कूल, कस्तूरबा स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर, शासकीय कन्या विद्यालय, अम्बेडकर स्कूल,सोनकर स्कूल मुंगेली के विद्यार्थी रहे शामिल।

मुंगेली (समय दर्शन) मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल अभियान पहल कार्यक्रम माध्यम से विद्यार्थियो को स्वयं के जीवन की महत्पूर्ण बातों को एवं उज्जवल भविष्य कि ओर ले जाने दिया जा रहा बच्चों को उनके उत्तम शिक्षा व आत्मविश्वास को मजबूत करने हेतु किया जा रहा प्रेरित

इस कार्यक्रम में कुल 11 स्कूल के 5000 विद्यार्थियों द्वारा साइबर अपराध, यातायात के नियम व उसके पालन, नशामुक्ति एवं बच्चों व महिलाओं से संबंधित अपराधों के संबंध में ड्रॉइंग पेंटिंग, अपने हाथों में मेहंदी से लिखा सपहल स एवं मानव श्रृंखला बनाया गया ।

बदलाव की शुरुआत सुरक्षा के साथ एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक संदेश है। यह न केवल व्यक्तिगत जीवन में बल्कि सामाजिक और सामुदायिक स्तर पर भी लागू होता है। सुरक्षा के साथ बदलाव की शुरुआत करने से हम सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे प्रयास स्थिर, सुरक्षित और दीर्घकालिक होंगे। यह वाक्यांश कई मायनों में महत्वपूर्ण हो सकता है:

1. सामाजिक बदलाव: जब हम सामाजिक बदलाव की बात करते हैं, तो सुरक्षा के साथ शुरुआत करना महत्वपूर्ण है। इससे हम सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे प्रयासों से किसी को नुकसान न पहुंचे और सभी के लिए सकारात्मक परिणाम हों।

2. व्यक्तिगत विकास: व्यक्तिगत स्तर पर, सुरक्षा के साथ बदलाव की शुरुआत करने से हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक स्थिर और सुरक्षित मार्ग पर चल सकते हैं।

3. सामुदायिक विकास: सामुदायिक स्तर पर, सुरक्षा के साथ बदलाव की शुरुआत करने से हम सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे प्रयासों से समुदाय के सभी सदस्यों को लाभ पहुंचे और उनकी सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित हो।

कुल मिलाकर, बदलाव की शुरुआत सुरक्षा के साथ एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है जो हमें अपने प्रयासों में स्थिरता, सुरक्षा और सकारात्मकता लाने में मदद कर सकता है।

I am still improving my command of other languages, and I may make errors while attempting them.

ये तैयारी है वंश वृक्ष के पहल की,कल की चिंता नही कल की उत्सुकता होनी चाहिये आओ खुशहाल कल की पहल करे,जैसे पेड़ लोगो को छाँया देरी है ठीक वैसे ही हमारे भविष्य है ये कल इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारी कर्मचारी शत्रुहन खूंटे, बबीता श्रीवास एवं पुलिस बाल मित्र रोशना डेविड (उड़ान जी एस सोसायटी महासमुंद) एवं सभी 11 स्कूल प्राचार्य और शिक्षको की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रायपुर जिला प्रशासन द्वारा सुशासन को लेकर की जा रही अभिनव पहल

विष्णु के सुशासन में ग्रामीणों की समस्याओं का हो रहा त्वरित निराकरण

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के निर्देश में आम जनता को शासन की योजनाओं और सेवाओं को घर के समीप पहुंचाने की दिशा में सुशासन एक्सप्रेस नाम से एक अभिनव और अनुकरणीय पहल शुरू की गई है, जो जनसमस्याओं के त्वरित निदान मॉडल के रूप में स्थापित हुई है। इसका शुभारंभ 29 मई को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के तहत ग्राम भैंसा में आयोजित समाधान शिविर में किया था। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में प्रारंभ की गई इस पहल के माध्यम से हजारों ग्रामीणों को शासन की दो दर्जन से अधिक सेवाओं का लाभ सहजता से मिलने लगा है।

ग्रामीणों ने कहा अब घर के समीप ही मिल रही है सुविधा- ग्राम पंचायत संकरी के युवा श्री उत्तम साहू के लिए खुशी का क्षण था जब घर बैठे ही उन्हें लर्निंग लाइसेंस मिल गई, जो उनके गांव में आए सुशासन रथ से मिली। उत्तम कहते हैं कि उनके घर में अन्य सदस्यों ने लाइसेंस बनाया तो गांव के बाहर जाना पड़ा था और समय भी लगा था, अब कुछ दिन पहले गांव में कोटवार ने हांका लगाया तो सुशासन रथ आने की जानकारी मिली। मैंने वहां जा कर आवेदन किया। प्रक्रिया पूरी हुई और मुझे लाइसेंस मिल गया। सांकरा के रहने वाले श्री राजेश कुमार यादव भी बड़े प्रफुल्लित हैं कि उनका राशन कार्ड बन गया, इसके लिए बार-बार पंचायत कार्यालय में जाना नहीं पड़ा उन्होंने सुशासन रथ में आवेदन दिया, प्रक्रिया पूरी होने के बाद राशन कार्ड बन गया। उत्तम और राजेश मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहते हैं कि अब जिला प्रशासन रायपुर द्वारा उनके घर के समीप ही शासकीय सेवाएं मिल रही हैं जिसके लिए उन्हें अलग से समय निकाल कर जाना पड़ता था, कई बार कागजात अपूर्ण होने पर दुबारा भी जाना पड़ता था।

67 हजार से अधिक आवेदनों का त्वरित निराकरण- सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक कुल 75,864 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 67,788 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जा चुका है। शेष लंबित आवेदनों की कार्यवाही भी प्राथमिकता से की जा रही है। सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक जरूरतमंद 15,741 आवेदकों को आय प्रमाण पत्र, 5741 को जाति प्रमाण पत्र, 4273 को निवास प्रमाण पत्र, 7536 को आयुष्मान भारत कार्ड, 6014 को राशन कार्ड, 8269 को ड्राइविंग लाइसेंस, 1306 को किसान क्रेडिट कार्ड, 2051 को नरेगा जॉब कार्ड, 577 को जन्म प्रमाण पत्र, 50 को मृत्यु प्रमाण पत्र, 4093 श्रमिकों को श्रम कार्ड, 5070 लोगों को आधार कार्ड, 883 को किसान किताब, 814 पात्र आवेदकों को पेंशन, 1346 एचएसआरपी का लाभ देने के साथ ही महिला एवं बाल विकास, पुलिस, आवास सहित अन्य योजनाओं से भी बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

गांव में ही लग रहा 'वन-स्टॉप कैंप- किसी भी गांव में सुशासन एक्सप्रेस पहुंचने से तीन दिन पहले सूचना जारी की जाती है। मौके पर पटवारी, पंचायत सचिव, स्वास्थ्य टीम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आधार व आयुष्मान कार्ड बनाने वाले कर्मचारी और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहते हैं। इस तरह गांव में ही छोटा 'वन-स्टॉप शिविर' तैयार हो जाता है।

प्रथम चरण- पूर्ण, अब सुशासन एक्सप्रेस दूसरे चरण में - प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार-2025 के सकारात्मक परिणाम को देखते हुए जिला प्रशासन रायपुर ने इसी तर्ज पर सुशासन एक्सप्रेस की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य शासकीय अमले का एक साथ गांवों में पहुंचकर उनकी समस्याओं और आवेदनों का तत्परता से निराकरण करना है। सुशासन एक्सप्रेस के प्रथम चरण की शुरूआत अभनपुर, आरंग, धरसींवा और तिल्दा विकासखण्ड के गांवों से हुई।

अपेक्षाओं के साथ कम होता है क्रोध : मनीष सागरजी महाराज

क्षमा पर्व बुधवार को, पटवा भवन में होगा प्रतिक्रमण

रायपुर (समय दर्शन)। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में पर्यूषण पर्व के सातवें दिन मंगलवार को धर्मसभा में परम पूज्य उपाध्याय भगवंत युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने सीख दी कि जब हमारी अपेक्षाएं कम होती हैं, तो स्वाभाविक रूप से क्रोध और निराशा का भाव भी कम हो जाता है। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जीवन में सजगता के साथ-साथ सहजता का होना अत्यंत आवश्यक है। हमें सभी को देने की भावना रखनी चाहिए, लेकिन किसी से कुछ लेने की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमें सभी की सेवा करने का प्रयास करना चाहिए। हमें बड़ों को समझाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। बड़ों के अनुभवों और ज्ञान से समझने की कोशिश करनी चाहिए। बड़ों को समझाने का प्रयास करना उनके प्रति असम्मान का प्रतीक है। ये बड़ों के अनुभव की अनदेखी करने जैसा भी है। जब हम बड़ों से समझते हैं, तो उनके जीवन के अनुभव हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते हैं। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जो होना है वही होगा, यह सिद्धांत एक हद तक सही है। सर्वदा हम इसी को मान लें, यह उचित नहीं है। अपने मोह का पोषण कर इसे हमेशा उचित नहीं मान सकते। परमात्मा ने कहा है कि पुरुषार्थ को मुख्य करो। जहां गलत पुरुषार्थ कर रहे मानो मैं गलती कर रहा हूं। ऐसा मत मानो जो होना है वह होगा ही। सिद्धांतों को एकांत से नहीं मानना चाहिए। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि परमात्मा ने साधना पुण्य कमाने के लिए नहीं की। अपने कर्मों का क्षय करने के लिए परमात्मा ने साधना की। यदि कर्मों का क्षय करने की साधना होगी तो पुण्य का संचय अपने आप ही हो जाता है। जो आत्मा पूर्व भव में स्वार्थ से ऊपर उठकर आत्म कल्याण की साधना करती है। इसके कारण पुण्य कर्मों का संचय होता है। एक व्यक्ति ऐसा भी होता है जो पुण्य कमाने के लिए पुण्य करता है। वास्तव में वह व्यक्ति भी पुण्यशाली नहीं होता जिसको पता चलने पर की जीव दया करने से पुण्य मिलता है। ऐसे यदि वह पुण्य करता है तो यह स्वार्थ है। पुण्य हमारी परिणीति व हमारी भावना में होना चाहिए।

क्षमा पर्व बुधवार को, पटवा भवन में होगा प्रतिक्रमण : चातुर्मास समिति के अध्यक्ष श्यामसुंदर बैदमुथा ने बताया कि पर्वाधिराज पर्युषण पर्व का समापन संवत्सरी पर्व के साथ होगा। 27 अगस्त को सभी एक दूसरे से क्षमायाचना करेंगे। संपूर्ण ब्रह्मांड के 84 लाख योनि के सभी जीवों से अपने ज्ञात अज्ञात सभी भूलों के लिए क्षमायाचना की जाएगी। श्रावकों का प्रतिक्रमण पटवा भवन में दोपहर 2:30 बजे से होगा। श्राविकाओं का प्रतिक्रमण विवेकानंद नगर के श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में दोपहर 3:30 से होगा। सुबह पौने सात बजे लाभार्थी परिवार द्वारा उपाध्याय भगवंत को बारसासूत्र बोहराने की क्रिया प्रारंभ होगी।

सीएम साय ने जापान की कंपनी को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित किया

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका स्थित एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कंपनी को छत्तीसगढ़ में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये परियोजनाएँ न केवल कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को मज़बूत करेंगी बल्कि उच्च-तकनीकी विनिर्माण को भी प्रोत्साहित करेंगी और राज्य के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर नए रोजगार अवसर सृजित करेंगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण, सुगम प्रक्रिया और प्रत्येक स्तर पर सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड की प्रस्तावित खाद्य प्रसंस्करण इकाई से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और कृषि आधारित उद्योगों को नई मजबूती प्राप्त होगी। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा राज्य को उच्च-तकनीकी उत्पादन का नया केंद्र बनाएगी और युवाओं को आधुनिक उद्योगों से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विश्वास जताया कि ये निवेश परियोजनाएँ आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उद्योग और निवेश का प्रमुख केंद्र बनाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता जनता की समृद्धि, युवाओं का भविष्य और निवेशकों का विश्वास है, और इसी संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

अष्टप्रकारी पूजा कर मनाया गया महावीर जन्मोत्सव

रायपुर (समय दर्शन)। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर भैरव सोसायटी में महावीर जन्मवांचन के अवसर पर पालना महोत्सव व 14 स्वप्नों का पूजन धूमधाम से किया गया । सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि जब भगवान महावीर स्वामी मातारानी त्रिशला के गर्भ में आते हैं उस रात्रि माता 14 महास्वप्न देखती है। 14 स्वप्नों के साथ कल्प वृक्ष व महावीर स्वामी के पालना का अष्टप्रकारी पूजन कर महोत्सव मनाया गया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में पालना को बधाने के लाभार्थी सुरेश राखी लक्ष्य सोनल प्रणय पारख रायपुर परिवार ने लिया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी भैरव सोसाइटी से परमात्मा के पालना गाजे बाजे के साथ सुरेश लक्ष्य प्रणय पारख शैलेन्द्र नगर शोभायात्रा श्रीसंघ सह बधाए गए ।

कोचर परिवार ने कांसे की थाली बजाकर सकल श्रीसंघ को दी बधाई

रायपुर (समय दर्शन)। निपुणा श्रीजी मसा की सुशिष्या जैन साध्वी हँसकीर्ति की निश्रा में जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी एम जी रोड में सकल जैन संघ ने कल्पसूत्र में भगवान महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक का श्रवण कर पालना महोत्सव मनाया। इस अवसर पर महावीर स्वामी के जन्म पर परम्परा अनुसार लाभार्थी महेन्द्र मीना, तरुण सुषमा , मानस, गौरव प्रेरणा , दिया , कल्प , गर्वित कोचर परिवार ने कांसे की थाली बजाकर सकल जैन समाज को भगवान के जन्म की जानकारी व बधाई दी। कोचर परिवार की ओर से श्रीमती मीना कोचर ने गुरुभगवंत व साध्वी जी से वाशक्षेप लेकर श्रीसंघ से कांसे की थाली ग्रहण की। गुरुभगवंत के मुखारविंद से भगवान महावीर स्वामी के जन्म का वांचन होने पर थाली बजाकर जन्मोत्सव का उदघोष हुआ। सभामंडप में उपस्थित हजारों लोगों ने अपूर्व उत्साह से सूखा श्रीफल मिसरी एकदूसरे को खिलाकर खुशियां मनाई। भगवान महावीर स्वामी के पालने को झुलाकर अपना जीवन धन्य किया।

नवा रायपुर में विश्वस्तरीय फिश एक्वेरियम हाऊस बनाने पर विचार-विमर्श

घूमंतु पशुओं की सुरक्षा व दुर्घटनाओं में घायलों के उपचार के लिए व्यवस्था सुदृढ़ की जाए: रामविचार

रायपुर (समय दर्शन)। पशुधन एवं मछलीपालन मंत्री रामविचार नेताम ने आज नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर काम-काज की समीक्षा की। गौरतलब है कि मंत्रिमंडल विस्तार के बाद पशुधन एवं मछलीपालन विभाग मिलने के बाद यह मंत्री श्री नेताम की पहली बैठक है। मंत्री श्री नेताम ने बैठक में कहा कि गाय हमारी आध्यात्मिक मान्यता के साथ ही मानसिक संवेदनाओं से जुड़ी हुई है। स्टेट व नेशनल हाइवे पर घूमंतु पशुओं की दुर्घटनाएं देखने को मिलती है, जो पीड़ादायक होती है। उन्होंने कहा कि स्टेट व नेशनल हाइवे में घूमंतु पशुओं की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं में घायल पशुओं के उपचार की व्यवस्था सुदृढ़ की जाए। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र के आसपास घटित होने वाली पशु दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए नगरीय निकायों के समन्वय से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किया जाना चाहिए। मंत्री श्री नेताम ने मछलीपालन विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में विभिन्न किस्मों की मछलियों का उत्पादन हो रहा है, इसमें बस्तर का झींगापालन भी शामिल है। उन्होंने मछलियों के उत्पादन में वृद्धि करने के साथ ही नवा रायपुर अटल नगर में विश्वस्तरीय फिश एक्वेरियम हाऊस बनाने के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इसके लिए विभागीय अधिकारियों के दल को चंडीगढ़, गुजरात एवं अन्य राज्यों में अध्ययन के लिए भेजकर परियोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने हर जिले में दो-दो फिश प्रदर्शन तालाब बनाने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री श्री नेताम ने बैठक में कहा कि हर क्षेत्र का क्लाइमेंट अलग-अलग होता है। क्लाइमेंट के अनुरूप पशुपालन, मुर्गीपालन, बकरीपालन एवं सुकरपालन की गतिविधियां संचालित की जाए ताकि पशुपालकों को इसका बेहतर लाभ मिले। पशुपालकों को विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुपालन के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है उनके लिए चारा की व्यवस्था करना, पशुओं को हरी घास मिले इसके लिए योजना बनाई जाए। उन्होंने सरगुजा, बलरामपुर, कोरिया और सूरजपुर जिले में स्लाइज उत्पादन पर भी जोर दिया। मंत्री श्री नेताम ने मत्स्य और पशुपालन किसानों को सहकारी समितियों से जोड़ने के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री श्री नेताम ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों को आय दोगुनी करने नवाचार के साथ ही तकनीकी उपयोग पर बल दिया है। छत्तीसगढ़ में भी मत्स्य पालक किसानों की आय को बढ़ाने के योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए। उन्होंने कहा कि केज कल्चर के जरिए मत्स्य पालन में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य है। उन्होंने नीलक्रांति योजना को बढ़ावा देने के साथ ही फिनफिश हैचरीज की स्थापना, मत्स्य बीज उत्पादन, नवीन तालाबों का निर्माण एवं मछली पालन, केज कल्चर, पंगेसियस हैचरी, तेलपिया कल्चर को बढ़ावा देने तथा राज्य तथा केन्द्र की योजनाओं का लाभ मत्स्य किसानों को पहुंचाने के निर्देश दिए। मंत्री श्री नेताम ने बैठक में मछुआ समितियों को प्राथमिकता के तौर पर मछलीपालन के व्यवसाय से जोड़ने पर बल दिया। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती सहला निगार, पशुधन विभाग के संचालक चंद्रकांत वर्मा, मछलीपालन विभाग के संचालक नारायण सिंह नाग सहित इन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में नशा महामारी का रूप ले चुकी है : कांग्रेस

रायपुर (समय दर्शन)। सरकार और पुलिस की मिलीभगत के कारण ही प्रदेश के युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पिछले दो साल में शराब, गांजा, अफीम, हिरोईन जैसे नशों के कारण प्रदेश की युवा पीढ़ी में नशे की लत महामारी का रूप ले चुकी है। चंद पैसों के लिए सत्तासीन लोग नशे के बढ़ते कारोबार को रोकने के बजाय संरक्षण दे रहे है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बड़ी संख्या में ड्रग्स पकड़े जाने की खबरें आ रही है। दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान से ड्रग रायपुर तक आता था। इस ड्रग के कारोबार को संरक्षण कौन दे रहा था? पाकिस्तान से छत्तीसगढ़ तक ड्रग कैसे पहुंच रहा था? राज्य में ड्रग के कारोबार किसके संरक्षण में फला-फूला? कांग्रेस की सरकार थी तब नशे के कारोबार को पूरी तरीके से समाप्त कर दिया गया था। दो साल में फिर से पूरा प्रदेश नशे की गिरफ्त में आ गया है। बिना सत्ता के संरक्षण के ड्रग राजधानी में खुलेआम नहीं बिक सकता, राज्य में भाजपा की 2 साल से सरकार है। कौन सत्ताधीश इसके पीछे है इसका भी खुलासा होना चाहिए? प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा के राज में छत्तीसगढ़ नशे के मामले में पंजाब, गुजरात और पश्चिम बंगाल को पीछे छोड़ चुका है। रायपुर के नया राजधानी और वीआईपी रोड जैसे इलाकों में शाम ढलते ही युवा नशे की गिरफ्त में साफ देखे जा सकते है। आऊट के कैफे तो युवाओं को नशा परोसने का केंद्र बन चुका है। पुलिस इसको रोकने के बजाय सहयोगी बनी हुई है। कांग्रेस की सरकार थी तब वर्षों से चल रहे हुक्काबारो को बंद करवाया था, राज्य में सूखे नशे के कारोबार को पूरी तरह समाप्त किया गया था। भाजपा की सरकार बनने के बाद एक बार फिर से नशे का कारोबार शुरू हो गया है।

कांग्रेस में गहराया विवाद: रविंद्र चौबे के बयान पर हाईकमान तक पहुंची शिकायत

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान और तेज हो गई है। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता रविंद्र चौबे द्वारा भूपेश बघेल को प्रदेश कांग्रेस की कमान सौंपने की मांग पर सियासी घमासान छिड़ गया है। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने इस मामले की शिकायत हाईकमान से कर दी है। अब जल्द ही कांग्रेस अनुशासन समिति की बैठक बुलाए जाने की संभावना है, जिसमें चौबे के बयान पर चर्चा हो सकती है।

भूपेश बघेल के समर्थन में चौबे- भूपेश बघेल के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में रविंद्र चौबे ने कहा था कि प्रदेश की जनता चाहती है कि कांग्रेस की कमान बघेल संभालें। उन्होंने दावा किया कि उनके नेतृत्व में 2028 में पार्टी दोबारा सत्ता में लौट सकती है। चौबे ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से बघेल का हाथ मजबूत करने की अपील करते हुए कहा कि वे ही ऐसे नेता हैं जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ खुलकर आवाज उठाते हैं। चौबे ने केंद्र की एजेंसियों की कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा, ईडी सुन ले, भूपेश बघेल शेर हैं, डरने वाले नेता नहीं।

पायलट से शिकायत- कांग्रेस के ही कुछ नेताओं ने चौबे के बयान की शिकायत पार्टी प्रभारी सचिन पायलट से भी की है। उनका आरोप है कि वरिष्ठ नेता संगठन को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि इस पर सार्वजनिक तौर पर कोई भी नेता खुलकर बोलने से बच रहा है। इधर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने चौबे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, वे महाज्ञानी नेता हैं, उनके बयान पर टिप्पणी की जरूरत नहीं।

नेतृत्व पर उठ रहे सवाल- चौबे का यह बयान कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति से जोड़ा जा रहा है। मौजूदा समय में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज हैं, लेकिन चौबे का बघेल के नेतृत्व पर जोर देना संगठन में असंतोष का संकेत माना जा रहा है।

विपक्ष का हमला- इस पूरे घटनाक्रम पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि पार्टी में आंतरिक कलह कोई नई बात नहीं है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के नेता आपस में ही झगड़ते रहते हैं। इन्हीं झगड़ों की वजह से कार्यकर्ताओं और जनता का विश्वास टूट चुका है। भूपेश बघेल के नेतृत्व में ही कांग्रेस लोकसभा और विधानसभा चुनाव हार चुकी है। जब जनता और पार्टी दोनों को भरोसा नहीं, तो रविंद्र चौबे के भरोसे से कुछ होने वाला नहीं है।

युवा कैट बिज़नेस मीट उत्साहपूर्वक संपन्न, व्यापारियों ने किया नेटवर्किंग और सहयोग पर जोर

रायपुर (समय दर्शन)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के युवा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित युवा कैट बिज़नेस मीट शहर के 100 से अधिक व्यापारिक वर्गों की सहभागिता के साथ उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह मुख्य अतिथि और सहायक पुलिस अधीक्षक (यातायात) प्रशांत शुक्ला विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा कैट प्रदेश अध्यक्ष कांति पटेल ने की, वहीं प्रदेश महामंत्री रतनदीप सिंह, कोषाध्यक्ष भारत भूषण गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष अवनीत सिंह सहित पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। एसएसपी लाल उमेद सिंह ने व्यापारियों को साइबर फ्रॉड से बचाव और दुकानों की सुरक्षा संबंधी सुझाव दिए। उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने हेतु व्यापारी समाज को स्वयंसेवक/वार्डन बनाकर जनजागरूकता अभियान चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह मंच केवल व्यापार बढ़ाने का साधन नहीं, बल्कि वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने और नेटवर्किंग के जरिए व्यावसायिक अवसरों को सशक्त करने का माध्यम है। इस अवसर पर उपस्थित व्यापारियों ने भी अपने विचार साझा किए और मीट को व्यापारिक समुदाय व समाज हित में उपयोगी बताया। बताया गया कि युवा कैट बिज़नेस मीट प्रतिमाह आयोजित की जाती है, जिसमें व्यापारी आपसी संवाद और सहयोग को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में अमित गुप्ता, भास्कर साहू, गिरीश पटेल, लोकेश सोढा, प्रिंस जैन, रौनक पटेल, रोहित पटेल, विशाल वर्ल्यानी सहित अनेक व्यापारी शामिल हुए।

संपादकीय

राज्यपालों को सिर्फ पोस्ट ऑफिस नहीं समझा जाना चाहिए

केंद्र का तर्क है कि राज्यपालों का अपना लोकतांत्रिक औचित्य है। राज्यपालों को सिर्फ पोस्ट ऑफिस नहीं समझा जाना चाहिए, बल्कि उनके पास राज्यों में 'जल्दबाजी में पास कराए गए विधेयकों' को कानून बनने से रोकने का अधिकार है। राज्यपालों के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ राष्ट्रपति के अभिप्रेषण (रेफरेंस) पर सुनवाई के क्रम में केंद्र ने जो दलीलें पेश की हैं, वे सिरे से समस्याग्रस्त हैं। उन्हें स्वीकार करने का मतलब भारतीय संविधान में वर्णित संघीय व्यवस्था की समझ को आमूल रूप से बदल देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में विधानमंडलों से पारित विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी संबंधी संवैधानिक अनुच्छेद की व्याख्या की थी। न्यायालय ने कहा कि राज्यपाल ऐसे विधेयकों को सिर्फ एक बार विधायिका को लौटा सकते हैं। उसे विधायिका ने फिर पारित कर दिया, तो 90 दिन के भीतर उस पर राज्यपाल को दस्तखत करना होगा। मगर ये निर्णय केंद्र को रास नहीं आया। उसने राष्ट्रपति के अभिप्रेषण के जरिए सुप्रीम कोर्ट के पास इसे पुनर्विचार के लिए भेज दिया। अब उसी सिलसिले में केंद्र ने अपना पक्ष कोर्ट को बताया है। उसका सार है कि राज्यपाल सिर्फ राज्यों में केंद्र के दूत नहीं हैं, बल्कि उनका अपना लोकतांत्रिक औचित्य है। चूंकि उनकी नियुक्ति केंद्रीय मंत्रिमंडल की सलाह पर राष्ट्रपति करती हैं, इसलिए केंद्र का लोकतांत्रिक औचित्य राज्यपालों से जुड़ा होता है। अत: राज्यपालों को सिर्फ 'पोस्ट ऑफिस' नहीं समझा जाना चाहिए, बल्कि उनके पास राज्यों में 'जल्दबाजी में पास कराए गए विधेयकों' को कानून बनने से रोकने का अधिकार है। इस तर्क में समस्या यह है कि इसमें राष्ट्रीय चुनाव में निर्वाचन के आधार पर केंद्र के लोकतांत्रिक औचित्य को सर्व-व्यापक बताया गया है। मतलब यह कि राज्य सरकारों का लोकतांत्रिक औचित्य केंद्र के मातहत है, भले एक जैसी चुनावी प्रक्रिया से ही वे भी चुनी गई होती हैं। अब तक भारतीय संविधान की मौजूद हर व्याख्या में अपने-अपने दायरों में केंद्र और राज्यों को समान समझा गया है। यही भारत के 'राज्यों का संघ' होने की धारणा का आधार है। लेकिन वर्तमान केंद्र सरकार की जो समझ सामने आई है, वह इस धारणा को चुनौती देती है। उसके तर्क बताते हैं कि वर्तमान सत्ताधारी केंद्र की सर्वोच्चता स्थापित कर भारत में एकात्मक शासन प्रणाली की तरफ ले जाना चाहते हैं। मगर यह प्रयास अनेक दूसरे पक्षों को स्वीकार्य नहीं होगा।

'त्रिकोण' बनाम अमरीका

भारत, रूस और चीन में एक बार फिर 'त्रिकोण' उभर रहा है। वैश्विक परिस्थितियां ऐसी हैं कि तीनों देश एक ही मंच पर लामबंद हो रहे हैं। उसे 'आरआईसी' नाम दिया जा सकता है। तीनों देश 'ब्रिक्स' के एक मंच पर भी लामबंद हैं। तीनों देश 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) में भी साथ-साथ हैं। यह 'त्रिकोण' 1998 में भी उभरा था और 2002 में उसके विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी। भारत और रूस कई दशकों से 'दोस्त' हैं। उनके बीच व्यापारिक रिश्ते, रणनीतिक साझेदारी रही है, बेशक हालात कैसे भी रहे हों, लेकिन भारत और चीन, रूस और चीन के बीच युद्ध भी हुए हैं और सीमा-विवाद भी रहे हैं। भारत चीन को 'दुश्मन नंबर 1' भी मानता रहा है, लेकिन दोनों एशिया के 'सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी देश' भी हैं और 2024-25 में दोनों देशों के बीच 127.7 अरब डॉलर का कारोबार भी किया गया। अब विश्व की बदलती परिस्थितियों के मद्देनजर भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों में सुधार और कूटनीति की कवायद जारी है। रूस और चीन के संबंध कूटनीतिक स्तर पर प्रगाढ़ रहे हैं। चूंकि तीनों देशों का एक साझा खलनायक है-अमरीका, लिहाजा उस पर दबाव बनाए रखने और उसकी अड़चनों और उसके फैसलों से निष्प्रभावी होने के मद्देनजर भारत, रूस, चीन का 'त्रिकोण' पुख्ता होता जा रहा है। रूस पर अमरीकी और यूरोपीय पाबंदियों के दौर में चीन और भारत ने उससे काफी मात्रा में कच्चा तेल खरीदा। रूस ने भारत के साथ 'रुपया' मुद्रा में कारोबार किया। हालांकि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने एक अखबार में विस्फोटक लेख लिखा और भारत की 'तेल लॉबी' को करार दिया कि वह रूसी राष्ट्रपति पुतिन की युद्ध-मशीनरी की आर्थिक मदद कर रही है, लिहाजा भारत को रूस से तेल खरीदने से रोका जाए। यथार्थ यह है कि अमरीका और यूरोप तुलनात्मक रूप से रूसी तेल और गैस के सबसे बड़े खरीददार हैं। यही वैश्विक परिस्थितियां हैं, जो भारत, रूस, चीन को करीब लाकर 'त्रिकोण' बना रही हैं। हाल ही में चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारत आए और हमारे विदेश मंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवल तथा अंततः प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। चीन ने महत्वपूर्ण पेशकश की कि वह भारत को खाद, रेयर अर्थ मिनरल्स और सुरंग खोदने की मशीन मुहैया कराने को तैयार है। रेयर अर्थ मिनरल्स करीब 90 फीसदी चीन में ही होते हैं। चीन पहले इन वस्तुओं की आपूर्ति में बाधाएं डालता रहा था। इस माह के अंत में तीनों देशों के शीर्ष नेता एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान चीन में मिलेंगे। उस मुलाकात से 'त्रिकोण' और भी पुख्ता होगा। विश्व की करीब 38 फीसदी आबादी, 33 फीसदी जीडीपी, करीब 20 फीसदी क्षेत्रफल और दुनिया की नंबर 2, 3, और 4 सेनाएं इन तीनों देशों की हैं। इन तीनों देशों के पास करीब 5100 परमाणु हथियार हैं। रूस और चीन सुरक्षा परिषद के स्थायी, वीटो पॉवर वाले देश हैं। कल्पना कर सकते हैं कि इन तीनों देशों की साझा शक्ति कितनी होगी? यह 'त्रिकोण' बनना तब जोर पकडऩे लगा, जब अमरीका ने रणनीतिक साझेदार होने के बावजूद भारत पर 50 फीसदी टैरिफ थोपने की घोषणा की। नतीजतन समीकरण बदलने लगे और चीन ने भारत पर थोपे गए टैरिफ की निंदा की और भारत के साथ सहयोग का हाथ बढ़ाया। हालांकि इतिहास और अतीत बताता है कि भारत को चीन पर भरोसा नहीं करना चाहिए, लेकिन यह 'त्रिकोण' बनाना भी वैश्विक हित में है। अमरीका की 'दादागीरी' कुछ ढीली होगी। भारत की चीन के साथ 3488 किमी सीमा के विवाद पुराने और गंभीर हैं, लेकिन अब चीनी विदेश मंत्री ने हमारे सुरक्षा सलाहकार के सीमा संबंधी प्रस्ताव पर सहमति जताई है, लिहाजा बातचीत आगे बढ़ेगी। दोनों देश सीधी उड़ान और सीमावर्ती व्यापार को फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं। हालांकि चीन के साथ व्यापार करने में भारत को करीब 100 अरब डॉलर का निरंतर घाटा है, लेकिन धीर-धीरे इसकी भरपाई की जा सकती है।

मोदी सरकार की जनहित की शानदार पहल ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर सख्त कानून

दीपक कुमार त्यागी

देश में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मैट्रो रेल स्टेशन, एयरपोर्ट, हाइवे, सड़क, हवाई जहाज, रेल, मैट्रो रेल, बस आदि में पैसे लगाओं, टीम बनाओं, करोड़ों कमाओं जैसी टैग लाइन के साथ भ्रमित करने वाले ऑनलाइन गेमिंग ऐप का प्रचार चर्चित चहरों के साथ बड़े पैमाने पर होता नज़र आता है। इन चर्चित चेहरों के प्रमोशन करने के चलते देश में करोड़ों लोग ऑनलाइन गेमिंग ऐप के माध्यम से चल रही सट्टेबाजी, ठगी व साइबर फ्रॉड आदि का शिकार होकर के अपने जीवन भर की कमाई गंवाकर मानसिक तनाव में आकर के अनमोल जीवन तक को समाप्त करने का कार्य कर रहे थे, लेकिन मोदी सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग की नकेल कसने का कार्य शुरू कर दिया है। हालांकि ऑनलाइन गेम की मुख्य रूप से दो कैटेगरी मानी जाती है, पहली कैटेगरी में ई-स्पोर्ट्स जिसमें गेम खेलने के लिए किसी भी प्रकार से पैसों का आदान-प्रदान नहीं किया जाता है व दूसरी कैटेगरी में रियल मनी गेम्स में पैसों का लेन-देन होता है, दूसरी कैटेगरी पर ही मोदी सरकार ने अंकुश लगाया है। देश में इंटरनेट की सुलभता से पहुंच होने के चलते ऑनलाइन गेमिंग ऐप का आलम यह हो गया था कि देश के दूरदराज के गांवों से लेकर कस्बों शहरों तक में भी यह लोगों को घर बैठे-बैठे हुए ही सट्टेबाजी करने के लिए प्रेरित करने लगा है, घर की चौपाल से लेकर के गली, मोहल्ले, नुक्कड़ हर तरफऑनलाइन गेमिंग ऐप की चर्चा सुनना अब आम बात हो गयी थी।

लेकिन नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग की इस गंभीर चुनौती को समय रहते समझने का कार्य करते हुए, 19 अगस्त 2025 को देश के घर-घर में छोटे व बड़े-बूढ़े तक के बीच में भी अपनी पैठ बना चुके ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर नियंत्रण लगाने के लिए एक कानून ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक 2025 को कैबिनेट में पारित करवाने का कार्य करते हुए, 20 अगस्त 2025 को चंद मिनटों में ही ध्वनि मत से देश दोनों सर्वोच्च सदनों से पास करवाया। हालांकि देश के कुछ लोगों को इस कानून से कोई भी फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन जिन लोगों के घर ऑनलाइन गेमिंग ऐप के माध्यम से चल रही पैसों की सट्टेबाजी के चलते बर्बादी के कगार पर आकर खड़े हो गये हैं, इस सख्त कानून से उन लोगों के बिखरते घर-बार व कारोबार बच जायेंगे। साथ ही जो परिवार इन ऑनलाइन गेमिंग ऐप के नाम पर चल रही सट्टेबाजी व साइबर फ्रॉड आदि का शिकार होकर धन-दौलत यहां तक की परिजनों को भी खो चुकें हैं, उन परिजनों को भी संतोष मिलेगा की अब भविष्य में उनकी तरह किसी का घर-परिवार तबाह नहीं होगा। वैसे तो देश में ऑनलाइन गेमिंग ऐप का बहुत बड़ा कारोबार है, देश में इसके ग्राहक छोटे-छोटे बच्चों से लेकर के बड़े-बुजुर्ग तक भी हैं, जो इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले अपने मोबाइल फोन में इन ऑनलाइन गेमिंग के विभिन्न ऐप डाउनलोड करके ऑनलाइन गेम खेलते हुए इनकी भयंकर लत व मानसिक अवसाद के शिकार हो रहे हैं। वहीं इन गेम के प्लेटफार्मों पर खुल्लमखुल्ला पैसे लगाओं, टीम बनाओं, करोड़ों कमाओं जैसी आकृषित करने वाली टैग लाइन के साथ सट्टेबाजी चल रही है, इन प्लेटफार्मों पर लोग कमाई के झांसें में आकर के जीवन भर की अपनी गाढ़ी कमाई को गंवाने का काम कर रहे थे। साथ ही देश में जिस तरह से साइबर फ्रॉड की घटनाएं ऑनलाइन गेमिंग ऐप के सहारे आये-दिन घटित हो रही हैं, वह चिंतित करने वाली स्थिति है। जिसके चलते ही नरेन्द्र मोदी सरकार की ऑनलाइन गेमिंग के इस कारोबार पर पैनी नज़र बनी हुई थी। उसी कड़ी में वर्षों पहले ही मोदी सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर रुपए-पैसों की किसी भी प्रकार की ट्रांजेक्शन पर 1 अक्टूबर 2023 में 28 प्रतिशत और वर्ष 2024-2025 में जीती गयी धनराशि पर 30 प्रतिशत जीएसटी लागू कर दिया था, जिससे सरकार को लगभग 20 हज़ार करोड़ रुपए सालाना की भारी-भरकम धनराशि जीएसटी के रूप में मिल रही थी। ऑनलाइन गेमिंग के पिछले कुछ वर्षों में लगभग 400 स्टार्टअप भारत में शुरू हुए हैं, वहीं लगभग 25 हजार करोड़ निवेश हुए हैं। लेकिन मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने खुलासा किया था कि भारतीय हर वर्ष लगभग 1 लाख 20 हज़ार करोड़ रुपए भारी-भरकम धनराशि इन ऑनलाइन गेमिंग ऐप के चक्कर में खर्च कर रहे हैं, जो बेहद ही चौंकाने वाली व चिंताजनक स्थिति है। वहीं केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में बताया था कि ऑनलाइन गेमिंग के चक्कर में हर वर्ष 45 करोड़ भारतीय 20 हज़ार करोड़ रुपए गंवा देते हैं। वहीं देश में साइबर सुरक्षा पर पैनी नज़र रखने वाली एजेंसियों ने भी इन ऑनलाइन गेमिंग के प्लेटफॉर्मों पर सख्ती कर रखी थी, इन एजेंसियों ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप की आड़ में साइबर फ्रॉड करने वाले हजारों ऐप को बैन तक करके लोगों को ठगी से बचाने का कार्य किया है, अकेले वर्ष 2022 में ही सरकार ने 1400 से ज्यादा वेबसाइट को ब्लॉक किया था। लेकिन सरकार की लाख सख्ती के बावजूद भी ऑनलाइन गेमिंग ऐप वाले लोगों की जेब से पैसा निकालने की कुछ ना कुछ नयी तिकड़म बैठाकर के लोगों को चूना लगाने में कामयाब हो ही जाते थे।

जिसके चलते ही नरेन्द्र मोदी की सरकार ने लोगों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले ऑनलाइन मनी गेमिंग ऐप की लूट-खसोट पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कानून बनाने की शुरुआत की, नरेन्द्र मोदी की सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 19 अगस्त 2025 को ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक 2025 को मंजूरी देते हुए अगले दिन ही 20 अगस्त 2025 को लोकसभा व राज्यसभा में पास करवा कर के, इस विधेयक को महामहिम राष्ट्रपति से हरी झंडी मिलने की मंजूरी के लिए भेज दिया, जहां पर इस विधेयक को 22 अगस्त 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी की मोहर लगने का बाद यह कानून देश में लागू हो गया है। इस नये कानून के अनुसार ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर रुपए-पैसों के लेन-देन वाली ट्रांजैक्शन देश में पूरी तरह से प्रतिबंधित है। अब देश में ऑनलाइन गेमिंग ऐप में रुपए-पैसों का लेन-देन उपलब्ध करने वाले लोगों को तीन वर्ष तक की कड़ी सजा और एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना भुगतान होगा। वहीं जिस तरह से ऑनलाइन गेमिंग ऐप भोले-भाले लोगों को अपने चंगुल में फंसाने के लिए आये-दिन खेल जगत के चर्चित चहरों व विभिन्न सेलिब्रिटी का सहारा लेने का कार्य करते थे, उस पर भी दो वर्ष की सजा और 50 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान होने से ऑनलाइन गेमिंग के प्रोमोशन पर अंकुश लगेगा। सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर बनाये प्रावधानों में यह साफकर दिया है कि यह एक सामाजिक बुराई है, जिस पर केंद्र सरकार पूरी तरह से अंकुश लगाना चाहती है। वैसे ऑनलाइन गेमिंग ऐप के मुद्दे पर पक्ष के साथ-साथ विपक्ष भी यह मानता था कि यह एक गंभीर सामाजिक बुराई बन चुकी है, तब ही यह विधेयक लोकसभा व राज्यसभा दोनों सदनों में महज 26 मिनट में पास हो गया।

हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस विधेयक का समर्थन करते हुए कहा था कि यह कानून देश में ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देगा, लेकिन उन ऑनलाइन गेमिंग ऐप को रोक देगा, जिनका सीधा असर लोगों की आर्थिक स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस कानून को समाज को हानिकारक प्रवृत्तियों से बचाने की दिशा में बड़ा कदम बताया।

हालांकि नये कानून के बाद देश में ऑनलाइन गेमिंग का कार्य करने वाले बहुत सारे प्लेटफार्मों ने रुपए-पैसे के लेन-देन बंद करने की घोषणा कर दी है, जो ऑनलाइन गेमिंग ऐप की दुनिया में व आम जनमानस के हित में एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

विपक्ष की हार उसकी अपनी कमियों के कारण

अजीत द्विवेदी

पहले एक चुटकुले से शुरुआत करते हैं, फिर महान लेखक कृश्नचंदर की किताब 'एक गधे की आत्मकथा' का एक संदर्भ और तब राहुल गांधी और विपक्ष की ओर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन की चर्चा करेंगे। चुटकुला ऐसे है: एक व्यक्ति वोट डालने जाता है। वोट डाल कर मतदान करा रहे अधिकारी से पूछता है- देखना मेरी पत्नी आशा देवी वोट डाल कर चली गईं? महिला अधिकारी सूची देख कर कहती है- हां, एक घंटे पहले ही वोट डाल कर चली गईं। व्यक्ति आह भरते हुए कहता है- इसका मतलब है कि एक घंटे पहले आते तो भेंट हो जाती। अधिकारी हंसती है और पूछती है- मजाक कर रहे हैं, क्या घर में आप लोगों की भेंट नहीं होती है? व्यक्ति कहता है- मेरी पत्नी को मरे हुए 15 साल हो गए लेकिन हर बार हमसे एक घंटा पहले आकर वोट डाल जाती है! यह एक व्यंग्य है, जो हम लोग कई दशकों से सुन और सुना रहे हैं। इसका मतलब है कि मतदाता सूची में मृत लोगों के नाम होते हैं और उनका वोट कोई और डालता है। यह प्रक्रिया आजादी के बाद से ही चल रही है। भारत की चुनाव व्यवस्था पर तंज करने वाला यह व्यंग्य इसलिए याद आया क्योंकि पिछले दिनों राहुल गांधी बिहार के कुछ ऐसे लोगों से मिले, जिन्हें मृत बता कर उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, मृत व्यक्तियों के साथ चाय पीकर बहुत मजा आया। सवाल है कि जब मृत व्यक्ति वोट डाल सकता है तो जीवित व्यक्ति को मृत बता कर उसका नाम काट देना कौन सी बड़ी बात है? उनको कुछ समय पहले बनी 'कागज' फिल्म देखनी चाहिए। सतीश कौशिक निर्देशित और पंकज त्रिपाठी के बेहतरीन अभिनय वाली इस फिल्म में एक मृत घोषित कर दिया गया व्यक्ति अपने को जीवित साबित करने के लिए संघर्ष करता है। यह कहानी जिस घटना पर आधारित है वह दशकों पुरानी, तब देश में कांग्रेस का ही शासन होता था। देश के कई राज्यों में शासन की व्यवस्था जीवित लोगों को मृत घोषित कर देती है और उसके बाद वे अपने को जीवित साबित करने के लिए बरसों संघर्ष करते हैं। लगता है इस तरह की कहानियां भी राहुल गांधी ने नहीं सुनी हैं। तभी वे ऐसे लोगों से मिल कर आश्चर्यचकित हो रहे थे, जिनको मृत बता कर मतदाता सूची से हटा दिया गया है। उनका आश्चर्य ऐसे बच्चे की तरह है, जिसको अभी आंखों की रोशनी मिली हो और वह ट्रेन देख कर विस्मित हो रहा हो! बहरहाल, महान लेखक कृश्नचंदर की चर्चित किताब है 'एक गधे की आत्मकथा'। इसमें गधा पंडित जवाहरलाल नेहरू से भी मिलता है। उससे पहले वह उनकी सरकार के कुछ और मंत्रियों से भी मिलता है। उससे पहले उसकी मुलाकात दिल्ली के एक इलाके के थानेदार से होती है। थानेदार इस पर आश्चर्यचकित होता है कि गधा इंसानों की तरह बोल रहा है। वह कहता है कि उसने बहुत सारे इंसानों को तो गधों की तरह बोलते सुना है लेकिन पहली बार किसी गधे को इंसानों की तरह बोलते सुन रहा है। कहने का मतलब है कि गधा आदमी की तरह बोले तो आश्चर्य होता है लेकिन आदमी गधों की तरह बोलें, को कोई फर्क नहीं पड़ता है। राहुल गांधी का आश्चर्य उसी तरह का है। यानी मृत लोग जीवित लोगों की तरह मतदान करें तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है लेकिन जीवित लोगों को मृत बता कर वोट काट दिया जाए तो वह बड़े आश्चर्य की बात है! राहुल गांधी से लेकर योगेंद्र यादव और सुप्रीम कोर्ट के माननीय जज इस बात पर ऐसे हैरान हो रहे थे, जैसे यह कोई अनहोनी बात हो। असल में यह कोई अनहोनी बात नहीं है। मतदाता सूची में ऐसी खामियां होती हैं और यह व्यवस्था की वजह से होती है। चुनाव आयुक्त इसके लिए खासतौर से निर्देश नहीं जारी करते हैं। वैसे ही जैसे कई राज्यों में जीवित लोगों के नाम पेंशन की सूची से कट जाता है और वे भागदौड़ करते रहते हैं अपने को जीवित साबित करने के लिए।

इन्फ्लूएंसरों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग आखिर कब तक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी की भी मजाक उड़ाना या उपहास का पात्र बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। पिछले कुछ सालों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग आम होता जा रहा है। यहां तक कि स्वतंत्रता के नाम पर समाज में वैमनस्य बढ़ाना, वर्ग विशेष के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी करना, धार्मिक भावनाओं को आहत करना इन उपहास कर्ताओं के लिए तो सामान्य होता जा रहा है तो राजनीतिक व सोशल एक्टिविस्ट भी इसमें पीछे नहीं है। ऐसे में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश महत्वपूर्ण हो जाते हैं। माननीय न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची की सरकार को गाइड लाईन जारी कर सीमाओं में बांधने और इस तरह के इन्फ्लूएंसरों के खिलाफ सख्त टिप्पणी व उसी स्तर की सार्वजनिक माफी मांगने के निर्देश आवश्यक हो गए थे। हालांकि यह आदेश स्पाइनल मस्कुलर एट्रोपी एसएमए से पीड़ित व्यक्तियों का समय रैना व अन्य द्वारा उपहास उड़ाने से संबंधित प्रकरण में दिए गए हैं। आदेश में दिव्यांगों का उपहास करने को गंभीरता से लिया गया है और साफ निर्देश दिए गए हैं कि जिस स्तर पर उपहास उड़ाया गया ठीक उसी स्तर पर माफी भी मांगी जाए। इसका सीधा सा अर्थ यह हुआ कि माफी की औपचारिकता से काम नहीं चलने वाला है।

व्यूअरशिप, फोलोवर्स या व्यूज बढ़ाने के लिए जिस तरह से सोशल मीडिया या यों कहे कि इंटरनेटी संसाधनों का उपयोग करते हुए किसी को भी उपहास का पात्र बनाना आम होता जा रहा है, उस पर लगाम की आवश्यकता लंबे समय से चली आ रही थी और ऐसे में देश में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति द्वय जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची द्वारा की गई टिप्पणी ऐसे तत्वों और सरकार दोनों के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है। दरअसल फूहड हास्य कार्यक्रमों और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रस्तुत सामग्री में मीडिया इन्फ्लूएंसरों द्वारा लोगों का बैखोफ उपहास उड़ाया जाना आम होता जा रहा है। ऐसे लोग अपने आपको समाज के विशिष्ट व्यक्ति बनने और दिखाने का प्रयास करते हैं। दावा करते है कि उनके इतने फोलोवर्स है या इतने व्यूअर्स है। पर सवाल यह उठता है कि किसी की मजाक उडाने या उपहास करने का अधिकारी आपको कौन देता है। हेट स्पीच और उसको सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित करने के दुष्परिणाम सामने हैं। छोटी सी टिप्पणी कभी कभी तो असामाजिक तत्वों के लिए अच्छा अवसर बन जाती है और कानून व्यवस्था को प्रभावित करने तक की सीमा तक पहुंच जाती है। मजे की बात यह है कि हेट स्पीच या ऐसी टिप्पणी करने वालों पर कार्रवाई होते ही तथाकथित वुद्धिजीवियों की टीम सक्रिय हो जाती है।

यह तथाकथित कोमेडियन और सोशल इन्फ्लूएंसर अपनी टिप्पणियों की बदौलत व्यूअरशिप बढ़ाते हैं और अनाप शनाप पैसा कमाते हैं, अपनी जेब भरते है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इसे गंभीरता से लिया है और इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत टिप्पणी नहीं मानते हुए व्यावसायिक गतिविधि करार दिया है। वैसे भी सामान्य नैतिकता का सवाल भी यह उठता है कि आपकों किसी अन्य की विकलांगता या अन्य टिप्पणी को अधिकार कैसे मिल सकता है। कैसे आप किसी को उपहास का पात्र बना सकते हैं तो कैसे आप अनर्गल टिप्पणी कर सकते हैं। हालांकि आजकल हेट स्पीच को लेकर तो न्यायालयों में जाने का चलन बढ़ा है और यह जरुरी भी हो जाता है। सोशल मीडिया के नाम पर आप किसी की निजता पर कीचड़ नहीं उछाल सकते हैं। यह निर्णय इस मायने में अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि कामेडियन्स या इन्फ्लूएंसर्स द्वारा जिस तरह से इस तरह की गतिविधियां आम होती जा रही है उस पर सख्त लगाम कसना जरुरी हो जाता है। यदि इसी मामलें को देखा जाए तो एक तो ऐसे व्यक्तियों के साथ वैसे ही अन्याय हुआ है और फिर उस शारीरिक विकलांगता का मजाक उड़ाना या निशाना बनाना कहां की नेतिकता हो सकती है। इसके अलावा इंस्ट्राग्राम, वाट्सएप इसी तरह के सोशल मीडिया साइट पर अनर्गल टिप्पणियां या किसी घटना विशेष पर इस तरह की प्रतिक्रिया देकर तनाव के हालात पैदा कर देना या इसी तरह के हालात पैदा करने से आपका शौक तो पूरा हो जाता है पर उसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म को सीमाओं में बांधना जरुरी हो जाता है। शहरों में आए दिन दंगे तनाव के हालात बनना आम होता जा रहा है। न्यायालय की टिप्पणी के मध्येनजर सोशल मीडिया प्लेटफार्म संचालकों को भी इस तरह की टिप्पणियों या सामग्री को फिल्टर करने आगे आना चाहिए। अभी तो होता यह है कि चाहे किसी भी तरह की रील हो यदि उसकी व्यूअरशिप ठीक आ जाती है तो कमाई का माध्यम बन जाती है जबकि होना यह चाहिए कि ऐसे इन्फ्लूएंसरों पर सख्ती होने के साथ ही साथ इस तरह की टिप्पणी या रील उसी व्यक्ति द्वारा करने पर ऐसे अकांउट को ब्लेक लिस्ट करते हुए ब्लॉक कर दिया जाना चाहिए। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपना काम कर दिया है। देर सबेर सरकार भी गाइडलाइन जारी कर देगी। हो सकता है सख्त प्रावधान भी कर दे पर समस्या का समाधान आसानी से होता लगता नहीं हैं। ऐसे में आम आदमी को भी आगे आना होगा तो गैर सरकारी संगठनों, सामाजिक संगठनओं और खासतौर से तथाकथित वुद्धिजीवियों को सकारात्मक सोच के साथ आगे आना होगा तभी कामेडियनों और सोशल इन्फ्लूएंसरों पर प्रभावी रोक संभव हो सकेगी।

किस दिशा में लगाएं दौड़ते घोड़ों की तस्वीर

आप सभी इस बात से तो बखूबी वाकिफ होंगे कि वास्तु हमारे जीवन की कई परेशानियों का समाधान कर देता है और उसके पास आपकी हर परेशानी का अंत है। ऐसे में वास्तु के अनुसार अगर जीवन में तरक्की करनी है और जल्द से जल्द अमीर बनना है तो आपको बता दें कि वास्तु में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिनसे जीवन में तरक्की के नए-नए रास्ते खुलते हैं। तो आज इस आर्टिकल में बात करेंगे कुछ ऐसे उपाय के बारे में जिसको करने से जीवन में आसानी से तरक्की मिल जाएगी। वास्तु के अनुसार अगर घर में दौड़ते हुए घोड़े की तस्वीर या पेंटिंग लगाई जाए तो जीवन में तरक्की की राह आसान हो जाती है।

घोड़ों की तस्वीर घर की उत्तर दिशा में ही लगाना शुभ

तस्वीर को आप अपने कार्यालय या अपने व्यवसाय की जगह पर लगा सकते हैं। तस्वीर लगाते समय ध्यान रखें कि दौड़ते सात घोड़ों का मुंह आपके कार्यालय में अंदर की तरफ होना चाहिए। यदि आप इस तस्वीर को अपने कार्यालय में लगा रहे हैं तो दक्षिण दिशा में लगाना शुभ रहेगा। यदि यही तस्वीर आप अपने घर में लगाना चाह रहे हैं तो पूर्व दिशा की तरफ लगाना शुभ होगा। यह तस्वीर आपके कैरियर में तरक्की और मान सम्मान में बढ़ावा देती है। इस तस्वीर को यदि आप अपने घर के हॉल में लगाना चाहते हैं तो इसे दक्षिण दिशा की दीवार पर लगा सकते हैं। यदि आप कार्यक्षेत्र में पदोन्नति का इंतजार कर रहे हैं तो ऐसे में दौड़ते हुए घोड़ों की तस्वीर घर की उत्तर दिशा में ही लगाना शुभ रहेगा।

इन बातों का ख्याल रखना चाहिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि आप अपने घर, कार्यालय या व्यापार-व्यवसाय के स्थान पर इस तस्वीर को लगा रहे हैं तो आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इस तस्वीर में सभी सात घोड़े साफ-साफ दिखाई दे रहे हों। इसके अलावा इस तस्वीर को लगाते समय यह ध्यान रखें कि इन घोड़ों की लगाम बंधी हुई ना हो। घोड़े प्रसन्न और आनंदित मुद्रा में दिखाई दे रहें हों।

सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं सफेद घोड़ा

घर या ऑफिस में दौड़ते घोड़े लगाना शुभ माना गया है, पर याद रखें कि घोड़ों का रंग सफेद ही होना चाहिए। बता दें कि, सफेद घोड़े सकारात्मक ऊर्जा के प्रतीक होते हैं। यह घर और ऑफिस की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं। लोगों की नजरों में आपका सम्मान बढ़ेगा।

खिड़की पर दौड़ते घोड़ी की मूर्ति रखना भी शुभ

यदि आप दक्षिण दिशा में दौड़ते हुए घोड़ों की पेंटिंग नहीं लगा पा रहे हैं तो घर के मुख्य द्वार की खिड़की पर दौड़ते हुए घोड़ी की मूर्ति रख सकते हैं। यह भी काफी फलदायी माना जाता है। मुख्य द्वार पर इस मूर्ति को लगाते समय ध्यान रहे कि घोड़ी का मुंह खिड़की से बाहर देख रहा हो।

त्वचा को खूबसूरत बनाने के उपाय

पसीना आना आम बात है, ऐसे में शरीर से बदबू आने लगती है। जो कई बार शर्मिंदगी का कारण बन जाती है। परफ्यूम लगाने के बाद भी आपको लगातार पसीना और बदबू आ रही है, तो अब चिंता करने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताएंगे, जिन्हें पानी में डालकर नहाने से पसीने की बदबू से छुटकारा मिलेगा।

गुलाब जल का इस्तेमाल

नहाते टाइम आप पानी में गुलाब जल डाल सकते हैं। इससे आपके शरीर से बदबू दूर होगी और त्वचा खूबसूरत दिखेगी। इसके अलावा आप नींबू का रस भी पानी में डाल सकते हैं। ऐसा करने से शरीर पर मौजूद बैक्टीरिया मरते हैं और बदबू दूर होती है। अगर आप अपने पास से बदबू दूर करना चाहते हैं और खूबसूरत दिखना चाहते हैं, तो आप नहाने के पानी में चंदन पाउडर भी मिला सकते हैं।

पुदीने की पत्तियां

पुदीने की पत्तियां त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करती है और शरीर को गर्मी के मौसम में ठंडक पहुंचती है। यह बदबू पैदा होने वाले बैक्टीरिया को भी मारने में काफी मदद करती है। इसके अलावा आप नहाने के पानी में लैवेंडर तेल डाल सकते हैं, यह त्वचा को सुगंधित बनता है। इन सब चीजों का इस्तेमाल करने से पहले एक बार पैच टेस्ट जरूर करें। अगर ये आपकी स्किन पर सूट नहीं होते हैं, तो आप इनका इस्तेमाल करना बंद कर दें।

इन बातों का रखें ध्यान

इन चीजों को पानी में मिलाकर नहाने से आप पसीने की बदबू से छुटकारा पा सकते हैं। लोकिन ध्यान रहे इन चीजों का सीमित मात्रा में इस्तेमाल करें। जरूरत से ज्यादा उपयोग करने से कुछ लोगों को समस्या हो सकती है। इसके अलावा नहाने के बाद आप चाहे तो शरीर पर मॉइश्चराइजर या लोशन लगा सकते हैं। अगर एलर्जी होता है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

चाय-कॉफी या कोल्ड ड्रिंक हद से ज्यादा न पिएं

शीतल पेय, कॉफी, चाय और शराब जैसे पेय पदार्थ पीने से निर्जलीकरण हो सकता है। एडवाइजरी में कहा गया है कि हाई प्रोटीन वाला खाना न खाएं। साथ ही स्ट्रीट फूड खाने से भी बचें। घर में खाना बनाते समय दरवाजे और खिड़कियां खुली रखें।सरकार की सलाह में कहा गया है कि शीतल पेय, कॉफी, चाय और शराब जैसे पेय पदार्थ पीने से निर्जलीकरण (पानी की कमी) हो सकता है। एडवाइजरी में कहा गया है कि हाई प्रोटीन वाला खाना न खाएं। साथ ही स्ट्रीट फूड खाने से भी बचें। घर में खाना बनाते समय दरवाजे और खिड़कियां खुली रखें। पर्याप्त पानी पियें। भले ही आपको प्यास न लगे, फिर भी जितनी बार हो सके पानी पियें।हल्के रंग के, ढीले और छिद्रयुक्त सूती कपड़े पहनें। धूप में बाहर जाते समय चश्मा, छाता/टोपी, जूते या चप्पल का प्रयोग करें।

जब बाहर का तापमान अधिक हो तो बाहर जाने से बचें। यात्रा करते समय अपने साथ पानी रखें। शराब, चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक पीने से बचें। उच्च प्रोटीन वाले भोजन से बचें और बासी भोजन न करें। यदि आप बाहर काम करते हैं, तो टोपी या छाते का उपयोग करें और अपने सिर और चेहरे को हल्के सूती कपड़े से ढकें। यदि आप बेहोश या बीमार महसूस करते हैं, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें। ओआरएस, घर पर बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें जो शरीर को पुनर्जीवित करने में मदद करते हैं।

बच्चों को समय पर सोना बहुत जरूरी

अगर आपका बच्चा रात में देर तक जागता है और दिन में सोता है, तो यह आपके लिए और आपके बच्चे के लिए थकान भरा हो सकता है। यहां कुछ आसान उपाय दिए गए हैं जो बच्चे को जल्दी सोने में मदद करेंगे।

रोजाना समय पर सुलाएं: हर दिन एक ही समय पर बच्चे को सुलाने की कोशिश करें। इससे उनका शरीर उस समय के हिसाब से आदत डाल लेगा और वे आसानी से सो जाएंगे।

खेल-कूद का समय बढ़ाएं: दिन में बच्चे को खूब खेलने दें। खेलने से उनकी ऊर्जा खर्च होती है और वे थक कर रात में अच्छी तरह से सो पाते हैं।

शांत संगीत सुनाएं: सोने से पहले बच्चे को शांत संगीत सुनाना फायदेमंद हो सकता है। यह उन्हें शांत करता है और सोने में मदद करता है।

गैजेट्स से दूर रखें: सोने से पहले बच्चे को टीवी, मोबाइल फोन और अन्य स्क्रीन से दूर रखें। इनकी रोशनी और गतिविधियां नींद को खराब कर सकती हैं।

सोने से पहले करें ये काम : बच्चे को नियमित रूप से सोने से पहले नहलाना, हल्की मसाज देना शामिल करें। यह उन्हें सोने के लिए तैयार करता है और उन्हें अच्छी नींद आने में मदद करता है।

दाल-चावल के 5 फायदे

अगर आप भी चावल-दाल के शौकीन है तो ये खबर आपके लिए है। ज्यादातर भारतीयों का पसंदीदा और सबसे आराम से बन जाने वाला दाल-चावल वजन कम करने के लिए सबसे अच्छा फूड है। इसके अलावा दाल-चावल खाने से कई और फायदे मिलते हैं। बहुत से लोगों को लगता है कि दाल-चालव खाने से वजन तेजी से बढ़ता है लेकिन ऐसा नहीं है। दाल में मौजूद प्रोटीन और चावल का फाइबर मिलकर वेट लॉस में मददगार होते हैं। यहां जानिए दाल-चावल खाने के 5 फायदे...

1.मांसपेशियां-टिशू रिपेयर का काम

दाल खाने से शाकाहारी लोगों को अच्छी-खासी मात्रा में प्रोटीन मिल जाता है लेकिन हाई प्रोटीन के लिए तुअर, मूंग या चना दाल ही खाना चाहिए। शरीर में अच्छी मात्रा में प्रोटीन मिलने से मांसपेशियों का निर्माण और टिशू रिपेयर करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही स्टीम राइस से गुड कार्ब्स शरीर को मिलते हैं।

2. पोषक तत्वों का खजाना

डाइटिशियन के मुताबिक, एक कप सफेद चावल में रोजाना की जरूरत का 37 प्रतिशत मैंगनीज और 17 परसेंट सेलेनियम होता है। वहीं, 4 बड़े चम्मच अगर दाल ले ली जाए तो उसमें 12 फीसदी मैंगनीज, 8 प्रतिशत आयरन और 20 परसेंट फोलेट शरीर को मिल जाता है। दाल-चावल बी कॉम्प्लेक्स विटामिन के लिए भी अच्छा फूड है।

3.पाचन बनाए जबरदस्त

दाल-चावल दोनों में फाइबर खूब पाया जाता है। इसे खाने से कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं। अगर दाल का तड़का हींग और जीरा से लगाया जाए तो मेटाबॉलिज्म तेज होगा और पाचन काफी मजबूत होगा।

4. संपूर्ण भोजन

दाल में कई तरह के जरूरी अमीनो एसिड पाए जाते हैं जो सिर्फ खाने से ही मिल सकता है। यही कारण है कि दाल-चावल को संपूर्ण भोजन माना जाता है, क्योंकि इससे ज्यादा अमीनो एसिड मिलता है, जो सेहत के लिए आवश्यक होते हैं।

5. क्रेविंग कंट्रोल करे

दाल-चावल खाने से पेट काफी समय तक भरा-भरा रहता है। इसकी वजह से एक्स्ट्रा कैलोरी से शरीर बच जाता है। इसके साथ ही फाइबर और प्रोटीन की वजह से शरीर का वजन भी कंट्रोल रहता है। इससे वजन बढ़ नहीं पाता है और मोटापे जैसी समस्याएं भी नहीं होती हैं।

सब्जी फ्रेश रखने के लिए उपाय

अक्सर सब्जियां जल्दी खराब हो जाती हैं। इससे न सिर्फ सब्जियों का स्वाद बिगड़ता है बल्कि उनके पोषक तत्व भी कम हो जाते हैं। लेकिन, थोड़ी सी सावधानी और कुछ आसान टिप्स को अपनाकर आप गर्मियों में भी अपनी सब्जियों को फ्रेश और ताजा रख सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप सब्जियों को सही तरह से स्टोर कर सकते हैं और क्या करें कि उनकी ताजगी लंबे समय तक बनी रहे। चलिए जानते हैं कुछ आसान टिप्स..

सब्जियों को सूखा रखें

सब्जियों को धोने के बाद हमेशा अच्छे से सुखा लें, क्योंकि अगर वे गीली रहेंगी, तो जल्दी खराब हो सकती हैं। इसलिए, उन्हें पूरी तरह से सुखाने के बाद ही फ्रिज में रखें। यह सब्जियों को लंबे समय तक ताजा रखने में मदद करता है।

फ्रिज का सही इस्तेमाल

अपने फ्रिज का तापमान हमेशा 1 से 4 डिग्री सेल्सियस के बीच रखना चाहिए। यह तापमान सब्जियों के लिए बिल्कुल सही होता है और उन्हें ज्यादा दिन तक ताजा रखने में मदद करता है। इस तापमान पर रखने से सब्जियां ना सिर्फ ताजा रहती हैं बल्कि उनका स्वाद और पोषक तत्व भी बचे रहते हैं। इसलिए, फ्रिज के तापमान को सही सेट करना बहुत जरूरी है, ताकि आपकी सब्जियां हमेशा फ्रेश और स्वादिष्ट बनी रहें।

सब्जियों को खोलकर रखें

सब्जियों को एक-दूसरे के ऊपर मत रखें। उन्हें थोड़ी दूरी पर रखो ताकि हवा अच्छे से उन तक पहुंचे। इससे सब्जियां ज्यादा दिन तक फ्रेश रहेंगी। जब सब्जियां अच्छे से हवा में रहती हैं तो वे लंबे समय तक अच्छी रहती हैं और उनके स्वाद और पोषक तत्व भी बचे रहते हैं।

अलग-अलग स्टोर करने का तरीका

कुछ सब्जियां जैसे टमाटर और खीरा, फ्रिज में नहीं रखनी चाहिए। इन्हें बेहतर है कि कमरे के तापमान पर रखें। अगर ये सब्जियां बहुत ठंड में रखी जाएं तो ये जल्दी खराब हो सकती हैं। इसलिए, इन्हें नॉर्मल तापमान पर रखने से ये ज्यादा समय तक ताजा रहेंगी।

पेपर टॉवेल का प्रयोग

सब्जियों को पेपर टॉवेल में लपेटें। यह उनसे अतिरिक्त नमी को सोख लेगा और उन्हें लंबे समय तक फ्रेश रखेगा। ये सभी टिप्स आपकी सब्जियों को गर्मियों में भी ताजा रखने में मदद करेंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने खाने को हेल्दी और स्वादिष्ट बना सकते हैं।

मिट्टी के घड़े का पानी हेल्थ के लिए अच्छा

अगर आप घड़े और सुराही का पानी पीते हैं, तो यह जानना जरूरी है कि उनकी सफाई किस तरह से करनी चाहिए। घड़े और सुराही का पानी न सिर्फ ठंडा रहता है बल्कि यह पानी पीने में भी स्वादिष्ट लगता है हालांकि, अगर इनकी सही से सफाई न की जाए तो इससे पानी में कीटाणु ब ढ़ सकते हैं जो आपको बीमार भी कर सकते हैं।

रोजाना सफाई करें:

हर रोज सुराही या घड़े को खाली करें और गर्म पानी से अच्छी तरह से धोएं। इससे अंदर जमा गंदगी और कीटाणु निकल जाएंगे।

ब्रश का उपयोग करें:

एक लंबे हैंडल वाला ब्रश लें जो घड़े या सुराही के अंदर तक पहुंच सके। इससे अंदर की सतहों को अच्छी तरह से साफ किया जा सकता है।

विनेगर का उपयोग करें:

महीने में एक बार विनेगर और पानी का मिश्रण बनाकर उससे घड़े या सुराही को धोएं। विनेगर कीटाणुनाशक होता है और यह गंध को भी दूर करता है।

बेकिंग सोडा का उपयोग :

एक कटोरी में एक चमच बेकिंग सोडा, एक बड़ा चमच सफेद सिरका और थोड़ा सा नमक मिलाकर एक घोल बना लें। इसे घड़े में डालें और ब्रश से रगड़ें।

घर सजाने के यूनिक तरीके

हम सभी चाहते हैं कि हमारा घर दिखने में फ्रेश और सुंदर रहे। लेकिन, हर बार नई चीजें खरीदना और बड़े बजट में घर सजाना संभव नहीं होता। इसलिए, आज हम आपको कुछ ऐसे खास और सस्ते तरीके बताएंगे जिससे आप अपने घर को बहुत ही कम खर्च में खूबसूरत बना सकते हैं। ये तरीके न सिर्फ आसान हैं, बल्कि इनसे आपके घर में एक नई रौनक भी आएगी। चलिए जानते हैं कि आप किस तरह से अपने घर को गर्मियों में सजा सकते हैं।

पौधे लगाएं

अपने घर में कुछ छोटे पौधे लगाएं। ये पौधे न केवल घर की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि वे हवा को भी साफ करते हैं। यह बहुत ही सस्ता और आसान तरीका है अपने घर को खूबसूरत और ताजगी से भरा रखने का। पौधे लगाने से घर में एक अच्छा माहौल बनता है।

लाइट कलर का इस्तेमाल

घर को सुंदर और ठंडा रखने के लिए हल्के रंग के पर्दे और कपड़े इस्तेमाल करें। ये कपड़े सूरज की तेज रोशनी को कम करते हैं और घर को ठंडा रखते हैं, जिससे आपका घर खूबसूरत और आरामदायक रहता है।

लाइट्स बदलें

अपने घर में छोटी और हल्की लाइट्स लगाएं और इन्हें घर के हर कोने में रखें। ये सिंपल लाइट्स घर में एक खूबसूरत माहौल बनाती हैं। यह तरीका न सिर्फ आसान है बल्कि बहुत ही सस्ता भी है, और इससे आपका घर और भी ज्यादा सुंदर दिखेगा।

पुरानी चीजों का इस्तेमाल

अपने पुराने जार, बोतल और फोटो फ्रेम को नए रंग से पेंट करें। फिर इन्हें घर में अलग-अलग जगहों पर सजा कर रखें। इस सिंपल से तरीके से आपका घर खूबसूरत और नया लगेगा। यह तरीका बहुत ही सस्ता और आसान है, और घर को बहुत ही सुंदर बना देता है।

दीवार पर पेंटिंग

अपने घर की दीवारों पर खुद से पेंटिंग करें। आप फूल, पत्तियां या कोई सिंपल डिजाइन बना सकते हैं। यह काम बहुत ही आसान है और इससे आपके घर की दीवारें और भी सुंदर दिखने लगेंगी। इस सस्ते तरीके से आप अपने घर को नया और खूबसूरत बना सकते हैं।

खिड़कियों में लगे कांच सफाई टिप्स

अगर आपके घर की खिड़कियों में लगे कांच या कोई और कांच गंदे और धूल से भरे दिख रहे हैं, तो परेशान न हों। कांच को साफ करना कभी-कभी मुश्किल लग सकता है, खासकर जब वे पुराने और धुंधले नजर आने लगें। लेकिन, हम आपको बताएंगे बहुत ही सिंपल और काम के टिप्स, जो आपके कांच को झटपट चमका देंगे, वो भी बस 2 मिनट में। इन आसान उपायों से आपके कांच न केवल साफ हो जाएंगे बल्कि आपका घर भी ज्यादा साफ-सुथरा और खूबसूरत दिखेगा।

सिरका और पानी का मिश्रण

कांच की सफाई के लिए, एक स्प्रे बोतल में सिरका और पानी को समान मात्रा में मिला लें। इस साधारण सफाई समाधान को गंदे कांच पर छिड़कें। उसके बाद, एक साफ माइक्रोफाइबर कपड़े की मदद से हल्के हाथों से पोंछ दें। यह आसान तरीका कांच को बिना किसी खरोंच के साफ कर देती है, जिससे वह फिर से चमकने लगता है।

न्यूजपेपर का प्रयोग

कांच को चमकाने के लिए सिरका और पानी का मिश्रण बनाकर उससे कांच साफ करें। इसके बाद, एक पुराने अखबार का टुकड़ा लेकर कांच पर अच्छे से रगड़ें। ये तरीका कांच को बहुत चमकदार बना देता है।। बस, इतना करने से ही आपके कांच फिर से नए जैसे चमकने लगेंगे।

बेकिंग सोडा का उपयोग

कठिन दागों को हटाने के लिए, बेकिंग सोडा और थोड़े पानी से एक गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को दाग वाले स्थान पर लगाएं और उसे कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। यह पेस्ट दाग को सोख लेगा। कुछ समय बाद, एक साफ कपड़े से इसे अच्छी तरह साफ कर दें। यह तरीका दागों को आसानी से हटा देगा और आपके कांच को फिर से नई जैसी चमक देगा।

दूध को फटने से बचाने के ट्रिक्स

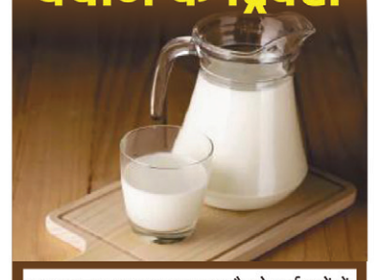

दूध फटना एक आम समस्या है जो कई घरों में देखी जाती है। यह न केवल दूध की बर्बादी का कारण बनता है बल्कि कई बार खाने-पीने की अन्य तैयारियों में भी बाधा डालता है। लेकिन, कुछ आसान उपायों को अपनाकर आप इस समस्या का समाधान कर सकते हैं।

1.ठंडा करने का तरीका:दूध को उबालने के बाद तुरंत ठंडे स्थान पर रखें। आप दूध के बर्तन को पानी से भरे बड़े बर्तन में रख सकते हैं ताकि दूध जल्दी ठंडा हो जाए।

2.खाने का सोडाः दूध में थोड़ा सा खाने का सोडा मिलाने से भी दूध फटने की संभावना कम हो जाती है। इसे बहुत कम मात्रा में इस्तेमाल करें।

3.फ्रिज में रखेंः गर्मी के दिनों में दूध को जल्दी फ्रिज में रख दें और बाहर निकालने के बाद तुरंत उपयोग करें। यह दूध को ज्यादा देर तक ताजा रखेगा।

सिंगर राशी ऋषि रुईया की "गणेश आरती" ऑडियो करी से रिलीज

मात्र 9 साल की छोटी बच्ची राशी ऋषि रुईया के गाए पहले ही गीत "ऐगिरि नंदिनी" को एक लाख से ज्यादा लोगों ने देखा है. वहीं सैकड़ों लोगों ने इस गीत पर खूबसूरत कमेंट्स भी किए हैं, राशी ऋषि रुईया को छोटी लता कहा जा रहा है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने भी राशी ऋषि रुईया को आशीर्वाद दिया है. राशी ऋषि रुईया का दूसरा गीत गणेश आरती "करूँ मैं आरती गणपति बप्पा" गणेश चतुर्थी के अवसर पर ऑडियो करी म्युज़िक कम्पनी से रिलीज हुआ है. इस गीत की कंपोज़र सुरभि सिंह हैं जबकि वीडियो डायरेक्टर और गीतकार पंछी जालौनवी हैं. इसके वीडियो में भी राशी ऋषि रुईया नजर आ रही हैं. राशी ऋषि रुईया ने रोहिणी गर्ग से संगीत और गायिकी का प्रशिक्षण हासिल किया है. उसके पिता को अपनी बेटी पर बहुत गर्व है. राशी ने स्कूल में भी सिंगाथॉन कंपटीशन मे अवॉर्ड जीता है. उनकी मां कहती हैं कि राशी को लोग राजस्थान की लता भी कहते हैं यह सब सुनकर और पढ़कर गर्व होता है. राशी ऋषि रुईया ने अपनी स्वर्गवासी दादीजी मधु प्रदीप रुइया को गणेश आरती समर्पित की है. राशी कहती हैं कि मेरे दादा जी प्रदीप रुइया और छोटे दादाजी अमित रुइया के आशीर्वाद से ही मेरी गायकी में निखार और सृजन है.

राशी ऋषि रुईया मुंबई के पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल मे चौथे क्लास की छात्रा हैं और प्रिंसिपल डॉ वंदना लुल्ला एवं सभी टीचर्स उनके लिए प्रेरणा स्वरुप हैं. राशी के कई और भी प्रोजेक्ट्स जल्द आने वाले हैं और वह काफी उत्साहित हैं.

संजय दत्त की बेटी त्रिशाला ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में उन्होंने फैमिली और मेंटल हेल्थ को लेकर अपनी बात रखी है। त्रिशाला का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति परिवार का हिस्सा है तो भी उसे आपको अपमानित करने, गुमराह करने या दोषी ठहराने का हक नहीं मिलता है। त्रिशाला ने अपनी पोस्ट में लिखा है, "आपका जिससे खून का रिश्ता है, जरूरी नहीं कि वह आपकी जिंदगी में रहने का हकदार हो। कभी-कभी हमें नजरअंदाज करने वाले और बेवजह टोकने वाले लोग भी 'परिवार' का हिस्सा होते हैं। आपको अपने सुकून की रक्षा करने का हक है। आप उनसे कम बात करने या बात बंद करने का ऑप्शन चुन सकते हैं। आप अपनी मेंटल हेल्थ को परिवार की इमेज बचाने से ऊपर रख सकते हैं।" त्रिशाला ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया और न ही किसी को टैग किया है, लेकिन उनके पोस्ट ने उनके और पिता संजय दत्त के रिश्तों को लेकर चर्चाओं को हवा दे दी है। याद दिला दें, करीब 15 दिन पहले संजय ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थीं। त्रिशाला फिलहाल अमेरिका में रहती हैं और साइकोथेरेपिस्ट के तौर पर काम कर रही हैं। उनके इस पोस्ट ने फैंस को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि कभी-कभी अपने सुकून और मेंटल हेल्थ को परिवार से भी ऊपर रखना जरूरी होता है।

अपनी मिमिक्री देख भड़के सुनील शेट्टी

सुनील शेट्टी जो आम तौर पर काफी कूल दिखते हैं, उनका नया वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह गुस्से में नजर आ रहे हैं। वीडियो में आप देखेंगे कि सुनील एक आर्टिस्ट को उनकी मिमिक्री करने के लिए डांट रहे हैं और सभी काफी हैरानी से एक्टर को देख रहे हैं। वीडियो भोपाल का बताया जा रहा है, हालांकि कब का है यह इवेंट पता नहीं चल पाया है। सुनील बोलते हैं, 'तब से यह भाईसहाब अलग-अलग डायलॉग बोल रहे हैं जो मेरी आवाज में है ही नहीं। इतना घटिया मिमिक्री मैंने कभी देखा बी नहीं है। जब सुनील शेट्टी बोलता है तो एक मर्द की तरह बोलता है, ये बच्चे की तरह बोल रहा था।

बेटा जब मिमिक्री करते हो तो अच्छे से करनी चाहिए। खराब नकल नहीं करनी चाहिए।' सुनील की इस बात को सुनकर मिमिक्री आर्टिस्ट माफी भी मांगते हैं। वह बोलते हैं, 'सॉरी सर, मैं बिल्कुल आपकी मिमिक्री करने की कोशिश नहीं कर रहा था।' इस पर सुनील बोलते हैं कि कोशिश करना भी मत बेटा। अभी बहुत टाइम है सुनील शेट्टी बनने में, पीछे बाल बांधने से कुछ नहीं होता है। अभी बच्चा है, लगता है सुनील शेट्टी की एक्शन फिल्म नहीं देखी है इसने। इस वीडियो को देखकर सब काफी हैरान हैं और सुनील के रिएक्शन से निराश भी हैं। किसी ने कमेंट किया कि ये काफी रूड है। वहीं एक ने लिखा कि सुनील शेट्टी की इतनी अच्छी इमेज है, लेकिन उन्होंने कुछ ही सेकेंड में इसे खराब कर दिया। बता दें कि सुनील हाल ही में शो हंटर सीजन 2 में नजर आए थे जिसमें उनके साथ जैकी श्रॉफ थे। इसके बाद वह अब वेलकम टू द जंगल और हेरा फेरी 3 में नजर आने वाले हैं।

नेशनल अवार्ड विनर की फिल्म में काम कर रहे हैं गोविंदा के बेटे यशवर्धन

मां बोली-सैयारा से बेहतर

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर हैं। उनके इसी अंदाज को उनके फैंस पसंद कर रहे हैं। अपने फैंस से जुड़ने के लिओये उन्होंने अपना यूट्यूब चैनल भी शुरू किया है। इस बीच उनका एक बयान सामने आया है जिसमें उन्होंने अहान पांडे की फिल्म 'सैयारा' के बारे में बात की है। सुनीता ने कहा कि उनका बेटा यशवर्धन 'सैयारा' से बड़ी फिल्म में काम कर रहा है।

ईट ट्रेवल रिपीट के साथ बातचीत में सुनीता ने से एक फैन के कमेंट पर रिएक्शन देने को कहा गया था। फैन ने कमेंट में लिखा था,'यशवर्धन इतना हैंडसम है, सैयारा में उसे होना चाहिए था'। इसके जवाब में सुनीता ने कहा, "काश ऐसा होता, लेकिन वो उससे बेहतर फिल्म कर रहा है।" आगे सुनीता ने कहा कि उन्होंने सैयारा नहीं देखी है। लेकिन उनकी तरफ से सभी बच्चों को आशीर्वाद। वैसे यशवर्धन 9 सालों तक ऑडिशन देने के बाद अब नेशनल अवार्ड विनर साई राजेश की फिल्म में काम कर रहे हैं। फिल्म का नाम अभी फाइनल नहीं हुआ है लेकिन ये एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म होगी। बता दें, हाल में सुनीता अपने और एक्टर गोविंदा के साथ तलाक की खबरों के सुर्खियों में बनी हुई थी। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि सुनीता ने मई में ही कोर्ट में तलाक की अर्जी थी। उन्होंने एक्टर के खिलाफ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर, धोखा देना जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि, एक्टर के मैनेजर ने इन सभी आरोपों को गलत ठहराया। साथ ही एक अन्य रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि सुनीता और गोविंदा तलाक नहीं ले रहे हैं। दोनों गणपति पूजा में एक साथ दिखेंगे। सुनीता ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि वो गोविंदा से अलग अपने फ्लैट में रह रही हैं। जबकि एक्टर पास के ही बंगले में रहते हैं। इसके पीछे की वजह एक्टर का काम और मीटिंग्स थी। लेकिन बताया गया है कि कपल सालों से ही अलग रह रहे हैं। हालांकि, दोनों ने अपने रिश्ते पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

सोहा अली खान ने बताया सैफ ने कैसे बताया था करीना कपूर को कर रहे हैं डेट

करीना कपूर को कई लोग करण जौहर के गॉसिप गैंग का हिस्सा मानते हैं। कहा जाता है कि इंडस्ट्री में क्या चल रहा है, उनको पता होता है। अब सोहा अली खान से एक इंटरव्यू में करीना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने अपनी भाभीजान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ गॉसिप का सोर्स नहीं बल्कि बहुत जानकारियां रखती हैं। सोहा ने यह भी बताया कि उनके भाई ने कैसे बताया था कि 11 साल छोटी लड़की से उन्हें इश्क हो गया है। सोहा जूम से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने बताया कि करीना का ज्ञान गॉसिप तक ही नहीं वह बोलीं, 'वह सूचनाओं का खजाना हैं, पता नहीं कैसे। मुझे अगर कुछ जानना है तो आधी रात को भी मैं उनसे पूछ लेती हूं। वह हमेशा बहुत अच्छी हैं, अपने सोर्सेस हमेशा छिपाकर रखती हैं। वह बस उतना बताती हैं जितना बताना चाहती हैं। वह ज्ञान के मामले में भी गॉसिप से बहुत ज्यादा हैं। उम्मीद करती हूं कि मैंने कभी सिर्फ ये नहीं सोचा होगा कि वह गॉसिप का भंडार हैं।' सोहा ने बताया कि उनके भाई सैफ ने करीना के बारे में कैसे बताया था। वह बोलीं, 'मुझे याद है कि मेरे भाई ने मुझे फोन किया और उस वक्त हम शायद शूटिंग कर रहे थे। वह बोले, 'मैं तुम्हें बताना चाहता हूं कि मेरी गर्लफ्रेंड तुमसे दो साल छोटी है।' मुझे लगा, ठीक है, बढ़िया है। मुझसे ऐसे ही परिचय करवाया था।' बता दें कि सैफ अली खान सोहा से 9 साल बड़े हैं। सोहा बोलीं, 'जाहिर सी बात है कि जब आप किसी से मिलते हैं जो कि सुपरस्टार है तो मन में पहले से एक छवि होती है कि वह कैसे हो सकते हैं। मैं ऐसी इंसान नहीं हूं कि किसी से बिना मिले उसे जज करूं। मुझे बस लगा था कि ये बहुत फेमस इंसान है। किसी का इम्प्रेशन बनने में समय लगता है। मुझे लगता है कि शुरुआत में कुछेक बार मैं जब उनसे मिली तो उन्हें नहीं जान पाई थी। इसमें समय लगा। कुछ लोगों के साथ रिश्ता बनने में समय, भरोसा और कंसिस्टेंसी लगती है। मेरे और करीना के बीच भी समय लगा।

पीवीआर आईनॉक्स ने मेगाप्लेक्स का किया शुभारंभ

भारत की सबसे बड़ी और प्रीमियम सिनेमा प्रदर्शनी कंपनी पीवीआर आईनॉक्स गर्व के साथ मुंबई के बोरीवली (ईस्ट) स्थित स्काई सिटी मॉल में अपने अत्याधुनिक 10-स्क्रीन मेगाप्लेक्स के उद्घाटन की घोषणा करती है। पीवीआर आईनॉक्स मॉडल के तहत कैपेक्स द्वारा विकसित इस संपत्ति में पीवीआर आईनॉक्स ने सीधे निवेश कर इसे तैयार किया है, जिसमें निर्माण, डिज़ाइन और संचालन पूरी तरह से शामिल हैं। यह पहल नवाचार, स्वामित्व-आधारित उत्कृष्टता और रणनीतिक शहरी बाज़ारों में दीर्घकालिक मूल्य सृजन के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। स्काई सिटी मॉल, जिसे ओबेरॉय रियल्टी ने विकसित किया है, मुंबई का नवीनतम लाइफस्टाइल हब है, एक ऐसा स्थान जहां प्रीमियम अनुभव व्यक्तिगत अहसास देता है। एक मिलियन वर्ग फीट में फैला और रणनीतिक रूप से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मात्र 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह मॉल, देविपाड़ा मेट्रो स्टेशन और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

मंदिर के तालाब में पैर धोने पर बढ़ा विवाद तो बिग बॉस मलयालम फेम जैस्मिन ने मांगी माफी

बिग बॉस मलयालम सीजन 6 की कंटेस्टेंट जैस्मिन जाफर ने गुरुनायुर मंदिर में वीडियो शूट को लेकर कॉन्ट्रोवर्सी पर माफी मांग ली है। क्लिप में वह त्रिशूर के गुरुवायुर श्रीकृष्ण मंदिर के पवित्र माने जाने वाले तालाब में पैर धो रही थीं। इस बात पर लोग भड़क गए थे और उनके खिलाफ शिकायत भी दर्ज करवाई गई थी। मंदिर प्रशासन का कहना था कि तालाब को पवित्र माना जाता है और इसका इस्तेमाल पवित्र अनुष्ठानों के लिए ही किया जाता है। पूरे प्रकरण के बाद मंदिर का शुद्धीकरण किया जा रहा है। जैस्मिन ने लिखा है कि वह किसी को हर्ट नहीं करना चाहती थीं और ना ही कॉन्ट्रोवर्सी क्रिएट करना चाहती थीं।

जैस्मिन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया है, 'जो लोग मुझे प्यार करते हैं और बाकी सभी लोग... मैं समझती हूं कि जो वीडियो मैंने बनाया इससे परेशानी हुई है। मैं जानबूझकर किसी को हर्ट या विवाद नहीं पैदा करना चाहती थी। अपनी अपनी गलती की दिल से माफी मांगती हूं और यह गलती अनजाने में हुई।'

जैस्मिन ने विवादित रील भी डिलीट कर दी है। उन्होंने सफाई दी कि मन में किसी तरह से अपमान की भावना नहीं थी। गुरुवायुर पुलिस ने कन्फर्म किया कि जैस्मिन के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि केरल हाई कोर्ट सिर्फ धार्मिक कार्यक्रम या शादी के अलावा कुछ भी रिकॉर्ड या शूट करने पर बैन लगा रखा है। मंदिर परिसर में शूट करने पर मनाही है। दरअसल जैस्मिन ने मंदिर परिसर के कुंड में पैर धोए और इसकी रिकॉर्डिंग की। इस कुंड को पवित्र माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि पारंपरिक अनुष्ठान करने से पहले श्रीकृष्ण इस कुंड में नहाते थे। तालाब में देवताओं को स्नान करवाया जाता है। इस मंदिर में गैर-हिंदू का आना भी मना है। जैस्मिन ने मंदिर जाकर कुंड में पैर धोए और रील बनाई तो मंदिर प्रबंधन सहित भक्त भी भड़क गए। मंदर को आज श्रद्धालुओ के लिए बंद करके उसका शुद्धीकरण करवाया जा रहा है। जैस्मिन की हरकत से नाराज के प्रबंधक ओ बी अरुण कुमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाकर उनके खिलाफ ऐक्शन लेने की मांग की थी।...

'बाहुबली: द एपिक' का टीजर रिलीज

दस साल बाद भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' एक नए रूप में वापसी कर रही है। निर्देशक एसएस राजामौली ने इस महाकाव्य का टीजर रिलीज किया है। 'बाहुबली: द एपिक' में फिल्म के दोनों पार्ट्स को मिलाया गया है और इसका रनटाइम 5 घंटे 27 मिनट का है। 1 मिनट 17 सेकंड लंबे टीजर में 'बाहुबली 1' और 'बाहुबली 2' के सबसे यादगार सीन्स दिखाए गए हैं। मेकर्स ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, "10 साल पहले, एक कहानी ने भारतीय सिनेमा को नई परिभाषा दी। दो फिल्में। एक नाम।" इसके साथ ही यह भी साफ किया गया है कि फिल्म 31 अक्टूबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एक फैन ने फिल्म के टीजर पर कमेंट किया, "री-रिलीज थोन - 1000 करोड़ पक्का!! जय प्रभास ₹ जय महिष्मति।" दूसरे ने लिखा, ₹री-रिलीज भी रिकॉर्ड तोड़ देगी।₹ तीसरे ने लिखा, कोई भी इस फिल्म को छू भी नहीं पाएगा।₹ चौथे ने लिखा, ₹एक बार फिर दुनिया प्रभास का धमाल देखेगी।

रणबीर कपूर को फ्लाइट में मिला अपनी फिल्म का क्रू मेंबर

दोनों के बीच की बातें जीत रही हैं दिल

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म में एक्टर, पत्नी आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ नजर आने वाले हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें रणबीर को फ्लाइट में उनकी फिल्म का क्रू मेंबर मिल गया। वीडियो में पहले एक्टर उन्हें पहचान नहीं पाते हैं। लेकिन जब ध्यान जाता है तो वो हैरान हो जाते हैं। ये वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि नीली शर्ट और कैप पहने रणबीर फ्लाइट के अंदर अपनी सीट तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच एक शख्स उन्हें उनके नाम से पुकारता है। एक्टर जवाब देते हैं और आगे बढ़ने लगते हैं। उन्हें शायद लगा होगा कि कोई फैन है। लेकिन जब रणबीर की नजर सीट पर बैठे शख्स पर जाती है तो पता चलता है वो उनकी उसी फिल्म का क्रू मेंबर है जिसकी शूटिंग के लिए वो खुद सफर कर रहे हैं। रणबीर अपनी फिल्म के क्रू मेंबर को देखकर पूछते हैं 'अरे तू यहां कैसे?' जवाब में क्रू मेंबर कहते हैं 'शूटिंग है न'। ये वीडियो फैंस को पसंद आ रहा है। इसके अलावा एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बताया जा रहा है कि लव एंड वॉर फिल्म का क्लाइमेक्स सीन शूट हो रहा है। इस वीडियो में का बैकग्राउंड देखकर लग रहा है जैसे ये राजस्थान का रेगिस्तान वाली जगह हो। हाल में विक्की कौशल और रणबीर को जयपुर के एयरपोर्ट पर भी देखा गया था। रिपोर्ट की मानें तो दोनों लीड एक्टर्स के बीच जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस होने वाला है। डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने सिर्फ इस सीक्वेंस को शूट करने के लिए कड़ी तैयारी की थी। ये फिल्म अगले साल ईद के मौके पर दस्तक देने वाली है।

फिल्म के लिए न्यूड हो गए थे आमिर खान

आमिर खान ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। अब आपको ऐसी ही एक फिल्म के बारे में बताएंगे जो आमिर के करियर की ब्लॉकबस्टर मूवी में से एक थी। इतना ही नहीं इस फिल्म के लिए आमिर ने कुछ ऐसा कर दिया था जो किसी ने सोचा नहीं था। आमिर खान को बॉलीवुड का मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहा जाता है। उन्होंने कई बार अपने किरदारों के लिए ऐसे काम किए हैं जो कोई सोच भी नहीं सकता। अब ऐसी ही एक फिल्म है जिसमें उन्होंने पहली बार न्यूड सीन दिया था। जिस फिल्म की हम बात कर रहे हैं वो है पीके। पीके वह फिल्म है जिसके लिए आमिर पहली बार करियर में न्यूड हुए थे। इस फिल्म के और भी कई दिलचस्प किस्से हैं जैसे इस फिल्म के लिए आमिर ने 1000 पान खाए थे। आमिर ने कहा था, इस फिल्म के हर सीन के लिए मुझे पान खाने थे। एक दिन में मैं 100 पान तक खा लेता था। सेट पर पान वाले को भी रखा था। इस फिल्म के जरिए आमिर और संजय दत्त ने पहली बार साथ काम किया था। आमिर ने इसके लिए जेल में संजय के लिए स्पेशल स्क्रीनिंग भी रखी थी। जुनैद खान ने इस फिल्म में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया था। आमिर ने इस फिल्म में सिर्फ भोजपुरी भाषा बोली है और इसे उन्होंने 2 साल में सीखा है। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो पीके ने 507 करोड़ भारत में कमाए थे और वर्ल्डवाइड फिल्म ने 792 करोड़ कमाए थे। फिल्म की बात करें तो इसमें आमिर खान, अनुष्का शर्मा लीड रोल में थे। वहीं सुशांत सिंह राजपूत भी इसका हिस्सा थे।

जब अजय देवगन की ऑनस्क्रीन बेटी से डायरेक्टर ने रियल में टॉयलेट करने को कहा, शूट के वक्त फिर...

फिल्मों में सीन को रियल बनाने के लिए कई बार डायरेक्टर्स ऐसी डिमांड करते हैं जो एक्टर्स सोच भी नहीं सकते। अब आपको बताएंगे ऐसी ही एक फिल्म के बारे में जब एक्ट्रेस से डायरेक्टर ने रियल में टॉयलेट करने को कहा। कई बार फिल्मों में सीन को रियल बनाने के लिए एक्टर्स काफी रिएलिस्टिक चीजें करते हैं। अब जैसे एक एक्ट्रेस हैं उन्हें डायरेक्टर ने रियल में पैंट में टॉयलेट करने को कहा था। जिस एक्ट्रेस की हम बात कर रहे हैं वह अजय देवगन की ऑनस्क्रीन बेटी का किरदार निभा चुकी हैं फिल्म शैतान में। एक्ट्रेस जानकी बोड़ीवाला जो फिल्म शैतान में अजय की बेटी का रोल निभा चुकी हैं, उनकी यह फिल्म गुजराती फिल्म वश का रीमेक है। दरअसल, वश फिल्म में भी जानकी लीड रोल में थीं जिसे कृष्णदेव याग्निक ने डायरेक्ट किया था। उन्होंने जानकी से शूट के दौरान पूछा था कि क्या वह कैमरे के सामने रियल में टॉयलेट कर पाएंगी। जानकी ने खुद बताया था कि वर्कशॉप के दौरान डायरेक्टर ने मुझसे पूछा कि क्या मैं यह रियल में कर पाऊंगी? टॉयलेट वाला सीन। इससे बड़ा असर पड़ेगा। जानकी ने बताया था कि वह काफी खुश हुई थीं। एक एक्टर होने के नाते उन्हें यह सब स्क्रीन में करना होता। ऐसा किसी ने नहीं किया था कभी। हालांकि जब शूट करने का सोचा तो वैसा हो नहीं पाया जैसा जानकी और डायरेक्टर ने सोचा था। सेट पर यह प्रैक्टिकली संभव नहीं था इसलिए हमने ऐसा करने का एक तरीका ढूंढ़ निकाला। मैं खुश थी कि मुझे कुछ ऐसा करना पड़ा जो मैं रियल में नहीं कर सकती। वही सीन मेरा सबसे फेवरेट था और उसी सीन की वजह से मैंने फिल्म को हां कहा था। खैर जब शैतान बनी तो यह फिल्म भी सुपरहिट थी जिसमें अजय देवगन, जानकी के अलावा आर माधवन भी थे।

फराह खान के कुक दिलीप का वीडियो हुआ वायरल

शाहरुख खान ने एक बार फिर अपने सेंस ऑफ ह्यूमर से फैंस का दिल जीत लिया है। दरअसल, आज फराह खान ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है। उसे वीडियो में फराह के कुक दिलीप, आर्यन खान की वेब सीरीज ₹द बैड्स ऑफ बॉलीवुड₹ के पहले गाने "बदली सी हवा है" पर अनोखे और फनी डांस करते नजर आ रहे हैं। फराह खान ने दिलीप का वीडियो पोस्ट करते हुए शाहरुख, गौरी और आर्यन खान से माफी मांगी है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "शाहरुख, गौरी और आर्यन मुझे माफ करना। मेरा दिलीप, गाने में इतना खो गया कि खुद को रोक नहीं पाया, गाना है ही इतना अच्छा।" इस पोस्ट को देखते ही शाहरुख खान ने अपने शानदार हाजिरजवाबी से जवाब देते हुए लिखा, "आपको माफी मांगनी चाहिए क्योंकि 30 सालों में आपने मुझे कभी भी दिलीप जैसे शानदार डांस स्टेप्स नहीं दिए! फिर भी प्यार है तुमसे।"सिर्फ शाहरुख खान ही नहीं, फराह के वीडियो पर करण जौहर ने भी फनी अंदाज में कमेंट किया है। उन्होंने लिखा, "मैं दिलीप के मूव्स का फैन हो गया हूं! मुझे उसके साथ डांस ऑफ करना है।"'बदली सी हवा है' में लक्षय, सहर बंबा और राघव जुयाल नजर आ रहे हैं। इसके म्यूजिक डायरेक्टर

अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट ग्रुप पेश करेगा फिल्म 'जादूगोड़ा'

अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट ग्रुप ने अपनी पुरस्कार से नवाजी गई शॉर्ट फिल्म 'जादूगोड़ा' के विश्वस्तरीय रिलीज़ की घोषणा की है। यह फिल्म भारत की यूरेनियम खानों और उनके आस-पास रहने वाले आदिवासी समुदायों के संघर्षों को गहराई से दिखाती है और दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है। इसका भव्य प्रदर्शन 29 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु परीक्षण निषेध दिवस के मौके पर किया जायेगा, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने परमाणु हथियार परीक्षणों के विनाशकारी असर और परमाणु-मुक्त दुनिया की ज़रूरत पर ध्यान केंद्रित करने के लिए घोषित किया है। जादूगोड़ा फिल्म दुनिया भर के दर्शकों के लिए अल्ट्रा बॉलीवुड यूट्यूब प्लेटफ़ॉर्म और अल्ट्रा प्ले OTT पर उपलब्ध होगी।

फिल्म के बारे में बात करते हुए, अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट ग्रुप के CEO सुशील कुमार अग्रवाल ने कहा, ₹जादुगोड़ा इस बात की एक हृदयस्पर्शी स्मरण दिलाता है कि विकास अक्सर एक अदृश्य मानवीय कीमत पर होता है। अल्ट्रा में, हम हमेशा ऐसी कहानियों का समर्थन करने में विश्वास करते हैं जो न केवल मनोरंजन करती हैं बल्कि अर्थपूर्ण बातचीत भी शुरू करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु परीक्षण निषेध दिवस के मौके पर फिल्म को रिलीज़ करना, अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक इसके संदेश को व्यापक रूप से पहुँचाने का हमारा तरीका है क्योंकि सिनेमा केवल मनोरंजन ही नहीं करता—यह संवादों को जन्म देता है, कथाओं पर सवाल उठाता है और उन कहानियों को आवाज़ देता है जिन्हें दुनिया को सुनने की ज़रूरत है।

खबर-खास

आयुष्मान कार्डधारकों को बिना इलाज मौत के मुंह में धकेल रही सरकार : संजय नेताम

आयुष्मान कार्ड से इलाज बंद होने पर कांग्रेस नेता ने सरकार को आड़े हाथों लिया

गरियाबंद (समय दर्शन)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर छग में एक सितंबर से आयुष्मान कार्ड से इलाज के बंद होने पर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि एक सितंबर से छग में गरीबों के लिए सितम का दौर शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना को बंद करके सरकार गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के मरीजों को बिना इलाज के ही मौत के मुंह में धकेल रही है। सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के तहत निजी अस्पतालों को दी जाने वाली अनुदान राशि को अब तक नहीं दिया है जिसके कारण अब निजी अस्पतालों ने आयुष्मान कार्डधारकों का मुफ्त इलाज एक सितंबर से बंद करने का निर्णय लिया है। सुशासन की बात करने वाली विष्णुदेव साय नीत भाजपा सरकार ने गरीबों और मध्यमवर्गीय परिवारों के स्वास्थ्य की चिंता नहीं कर रही है। उनका विकास सिर्फ मंत्री बंगलों तक सीमित है। भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में इस आयुष्मान भारत के तहत इलाज की अनुदान राशि 5 लाख रूपये से बढ़ाकर 10 लाख रूपये करने की बात कही थी लेकिन अब वो अपने वादे से मुकर कर छग की जनता के साथ छल कर रही है। अपनी सुख सुविधाओं के विस्तार के लिए भाजपा सरकार के पास बजट है लेकिन गरीबों को मिलने वाले स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बजट नहीं होना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है जिसके कारण छग के आमजनों को आने वाले दिनों में काफ़ी दिक्क़तों का सामना करना पड़ेगा। केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को निजी अस्पताल में बेहतर इलाज की सुविधा देने के लिए 2018 में आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत की गई थी। इसके तहत लाभार्थियों को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाती थी और बिल का भुगतान सरकार करती थी लेकिन अब निजी अस्पतालों को सरकार द्वारा भुगतान नहीं करने के कारण निजी अस्पतालों ने इस योजना के तहत उपचार बंद करने का निर्णय लिया है जिसका सीधा असर गरीब जनता पर पड़ेगा।

चिड़ोरा की तारा बाई स्व सहायता समूह से बनी आत्मनिर्भर

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप स्व सहायता समूह में महिलाओं को जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। जिले की महिलाओं को ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत् समूह के रूप में विकसित करके रोजगामूलक कार्य के लिए विभिन्न प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने स्वयं की व्यवसाय कर रही है और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही है। इसी कड़ी में विकासखण्ड कांसाबेल के छोटे से ग्राम चिड़ोरा की रहने वाली है तारा बाई प्रज्ञा स्व सहायता समूह से जुड़ी कर आत्मनिर्भर बन गई है। समूह सहेली ग्राम संगठन से जुड़कर तारा बाई ने बीसी सखी का काम शुरू किया। चिड़ोरा ग्राम मुख्य मार्ग से जुड़े नहीं होने के कारण विभागीय लेन देन हेतु ग्रामीणों को समस्याओं का सामना करना पड़ता था, किन्तु तारा बाई बिहान योजना से जुड़कर ग्रामीणों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुँचाकर गांवो के लिए सच्ची सखी साबित हुई हैं। गांव वालों को बैंक के हर छोटे बड़े काम के लिए अब कांसाबेल स्थित बैंक नहीं जाना पड़ रहा है। इसके साथ ही वह स्वंय भी आर्थिक रूप से सशक्त हुई है। तारा बाई के माध्यम से गांवो में वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, मनरेगा मजदूरी भुगतान, स्वयं सहायता समूह की राशि का लेन-देन एवं अन्य बैंकिंग कार्य किए जाते हैं।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन मूल्यों से युवा पीढ़ी प्रेरणा लेंगे- विजय शर्मा

अटल परिसर का हुआ भव्य अनावरण

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता, भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्ति का अनावरण उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद संतोष पाण्डेय की विशेष उपस्थिति में अटल जी की तैल चित्र में माल्यार्पण के साथ हुआ। अटल परिसर लोकार्पण अवसर पर अतिथियों ने अटल बिहारी अमर रहे के नारे लगाए।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी की स्मृति में बस स्टेण्ड के पास 30 लाख रुपए की लागत से अटल परिसर का निर्माण किया गया है, जिसका 27 अगस्त को अनावरण किया गया है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा अधोसंरचना मद अंतर्गत स्वीकृत राशि 30 लाख रुपए से अटल परिसर में अटल की प्रतिमा का निर्माण हुआ है, जहां आकर्षक लाईट डेकोरेशन के साथ-साथ पेडेस्टल, फ्लोर

एवं वॉल में आकर्षक ग्रेनाइट पत्थर लगाकर विद्युत से सुसज्जित किया गया है।

अटल बिहारी हम सभी के प्रेरणाश्रोत थे- विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आज का दिन, बडा ही पवित्र दिन है और आज के दिन में पूजनीय अटल बिहारी वाजपेयी के विभिन्न आयाम जीवन के उन सब को याद करके हम सब यहां उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय वाजपेयी जी हमारे लिए प्रेरणाश्रोत थे। उनका व्यक्तित्व, उनका भाषण, उनका कविताएं सब कुछ मेरे लिए व हम सबके लिए प्रेरणा का श्रोत है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में उनका योगदान इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है आज हम ऐसे महान व्यक्तित्व को स्मरण कर रहे हैं, जिनकी सोच ने भारत को नई दिशा दी, और जिनकी वाणी ने जनमानस के हृदय को छू लिया। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि भारत की आत्मा के प्रतीक थे। उनका जीवन सिद्धांत, समर्पण और संवेदनशीलता का प्रतिरूप था।

अटल जी बचपन से ही राष्ट्रवाद से प्रेरित थे-संतोष पाण्डेय

राजनांदगांव सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि वाजपेयी जी के बारे में जितना बोले सब कम है। अटल जी अच्छे राजनेता थे अच्छे लेखक, संपादक, कवि व सच्चे स्वयं सेवक थे। वे बचपन से ही राष्ट्रवाद से प्रेरित थे और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए एवं वहीं से उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई। 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना के साथ वे सक्रिय राजनीति में आए। स्व. वाजपेयी ने भारत के लिए जो कार्य किया, ठीक उसी रास्ते पर चलते हुए नरेन्द्र मोदी उसी काम को आगे बढ़ा रहे है।

अटल जी ने पूरा जीवन देश को समर्पित किया- चंद्रप्रकाश

नपा अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने अटल परिसर में अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्ति का अनावरण कर कवर्धा वासियों को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय के बाद पं. अटल बिहारी वाजपेयी ने जिम्मेदारी संभाली। जिम्मेदारी संभालने के साथ ही उन्होंने संगठन को एक सूत्र में पिराने का काम किया। विपरित परिस्थितियों में साथ रहे। संगठन को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास किया। उन्होंने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अपना पूरा जीवन जन संघ के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी के लिए लगा दिया। शिक्षा की स्तर को बढ़ावा देने के लिए व उनकी गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए सर्व शिक्षा अभियान चालू कर देश को शिक्षा क्षेत्र में मजबूत बनाया। साथ ही संचार क्रांति के साथ गांव-गांव में सड़को का जाल बिछाने का कार्य अटल बिहारी वाजपेयी जी ने किया। भाजपा की सरकार पूरे छत्तीसगढ़ में अटल परिसर का निर्माण कर अटल जी की मूर्ति का स्थापना करने का कार्य किया जा रहा है।

सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत, पति की दीर्घायु की कामना गरियाबंद में हरितालिका तीजा का रंगारंग आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ी संस्कृति का जीवंत पर्व तीजा (हरितालिका तीज) गरियाबंद जिले में मंगलवार को पूरे उत्साह,आस्था और परंपरागत लोक रंग के साथ धूमधाम से मनाया गया। भगवान शिव और माता पार्वती के अखंड मिलन का प्रतीक यह पर्व पूरे जिले के साथ ही मुख्यालय स्थित पुराना मंगल बाजार में आस्था का केंद्र बना रहा।सैकड़ों सुहागिन महिलाएं और युवतियां दिनभर निर्जला व्रत रखकर शिवङ्कपार्वती की आराधना करती रहीं। पारंपरिक श्रृंगार,लोकगीतों की गूंज और भक्ति रस से सराबोर यह आयोजन छत्तीसगढ़ी संस्कृति की अनोखी छटा बिखेरता दिखा।

हरितालिका तीज का महत्व,,,,,, ,धार्मिक मान्यताओं के अनुसार,भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरितालिका तीज व्रत किया जाता है। मान्यता है कि इस दिन विधिविधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से विवाहित महिलाओं को अखंड सौभाग्य और पति की लंबी आयु का आशीर्वाद मिलता है। वहीं, कुंवारी कन्याएं इस व्रत से सुयोग्य वर की प्राप्ति की कामना करती हैं।यह व्रत छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति में सबसे कठिन व्रतों में गिना जाता है। इसे निर्जला व्रत कहा जाता है, जिसमें महिलाएं सूर्योदय से लेकर अगले दिन सूर्योदय तक बिना जल और अन्न ग्रहण किए उपवास करती हैं। रातभर जागरण और चार पहर की पूजा-अर्चना इस व्रत का विशेष अंग है।

करू भात से शुरू,निर्जला तपस्या तक,,,,परंपरा के अनुसार, तीजा पर्व से एक दिन पहले महिलाएं 'करू भात' (हल्का व कड़वा भोजन) खाती हैं। इसे व्रत की तैयारी और आत्मसंयम का प्रतीक माना जाता है।अगले दिन महिलाएं श्रृंगार कर गौर माता (मिट्टी की प्रतिमा) और भगवान शिवङ्कपार्वती की प्रतिमा स्थापित कर उनका पूजन करती हैं। हल्दी, कुमकुम, चंदन, बेलपत्र, सुहाग की सामग्री और मौसमी फल अर्पित किए जाते हैं।रात्रि में महिलाएं जागरण करती हैं, गीत गाती हैं और एक-दूसरे को हल्दी-कुमकुम का तिलक लगाकर सौभाग्य की शुभकामनाएं देती हैं। 27 अगस्त को व्रतधारी महिलाओं ने गौर माता का विसर्जन सरोवरों में भक्तिभाव के साथ किया।

स्वयं-श्रृंगार और लोक सौंदर्य का संगम,,,,,,, गरियाबंद के पुराना मंगल बाजार में महिलाएं पारंपरिक परिधानों, मेहँदी, बिंदी और गहनों से सजी-धजी नजर आईं। फूलों से बने फुलेरा, दीयों की रोशनी और झूलों की झंकार ने पूरा वातावरण भक्तिमय बना दिया। पारंपरिक तीजा गीतों की मधुर धुन सावन की ठंडी हवाओं के साथ गूंजती रही।

आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व,,,,,तीजा पर्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक एकजुटता और परिवारिक मेल-जोल का भी पर्व है। महिलाएं सामूहिक रूप से लोकगीत गाती हैं, कथाएं सुनाती हैं और एक-दूसरे को प्रोत्साहित करती हैं।

यह पर्व छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति की सांस्कृतिक पहचान और आस्था का अद्वितीय संगम है।

यह त्योहार भगवान शिव और देवी पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक है। तीज के त्यौहार को पति-पत्नी के प्रेम और एकता का प्रतीक माना गया है।

लक्ष्मी सिन्हा ने कहा शिवङ्कपार्वती के प्रेम की धारा बहती झील जैसी, मानसून की हरियाली में खिलते श्रृंगार के पुष्पज्करू भात की कड़वाहट और व्रत की पवित्रता से सजती महिलाएँ, तीजा के गीतों में अपनी आस्था पिरोती हैं। झूलों पर गूँजते लोकगीत, हाथों में मेहँदी की सौगात,व्रत के सत्व की शक्ति से नई उम्मीदों का आह्वान करती हैं।यह पर्व न केवल भक्ति का प्रतीक है, बल्कि हर घर और हर मन को जोड़ने वाली सामूहिक लय भी है।

प्रदेश में खाद की कमी और कालाबाजारी जोरों पर - हाफिज खान

गरियाबंद (समय दर्शन)। खाद की किल्लत और कीमतों में हेराफेरी को भाजपा सरकार की दुर्भावना और किसान विरोधी षडयंत्र करार देते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हाफिज़ खान ने कहा है कि सहकारी सोसाइटियों में खाद नहीं है,किसान खाली हाथ निराश होकर लौट रहे हैं, खाद के अभाव में फसल की वृद्धि रूक गई है, निजी खाद दुकानों में 266 का यूरिया 1200 तक में बिक रहा है, 1350 के डीएपी के लिए 2000 रुपए प्रति बोरी चुकाना पड़ रहा है, किसान कर्ज लेकर ब्लैक में खाद खरीदने मजबूर हैं। पूरे प्रदेश में खाद की कमी और कालाबाजारी जोरों पर है।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हाफिज़ खान ने कहा है कि खरीफसीजन शुरू होने से 3 महीना पहले ही छत्तीसगढ़ के किसानों ने अपनी डिमांड से सरकार को अवगत करा दिया था 48 लाख हेक्टेयर

कृषि भूमि में छत्तीसगढ़ में खरीद की फसल बोई गई है जिसके लिए 24 लाख टन उर्वरक की आवश्यकता है। डबल इंजन सरकार का दावा करने वाले भाजपा समय पर न रैक उपलब्ध करा पाई,ना सोसाइटी में भंडारण। केंद्र की मोदी सरकार ने इस साल छत्तीसगढ़ को केवल 17 लाख टन खाद का आवंटन किया है,उसमें भी डीएपी की उपलब्धता में भारी कटौती की गई।अगर एक बोरी डीएपी की जगह तीन बोरी एसएसपी और एक बोरी यूरिया देना है तो अतिरिक्त 2 लाख टन यूरिया और 6 लाख टन एसएसपी दिया जाना चाहिए था, लेकिन यह सरकार केवल साढे तीन लाख टन एसएसपी का इंतजाम कर पाई है।प्रदेश में किसानों को लगभग 5 लाख टन यूरिया और 2 लाख टन डीएपी की तत्काल आवश्यकता है। जब केंद्र से प्रदेश को कम मात्रा में खाद उपलब्ध कराया गया है, तो ऐसी परिस्थिति में जितना भी खाद उपलब्ध हुआ, इसका भंडारण पहले सोसाइटियों के डिमांड के अनुरूप प्राथमिकता से सहकारी सोसाइटियों में करना चाहिए था लेकिन कमीशनखोरी के लालच में इस सरकार ने निजी दुकानदारों को ज्यादा खाद उपलब्ध कराया है,सत्ता के संरक्षण में बिचौलिए और कालाबाजारी करने वाले,किसानों को लूट रहे हैं।

सीएम कैंप कार्यालय बगिया में ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ समाधान

56 आवेदन प्राप्त, अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्थापित सीएम कैंप कार्यालय बगिया अब आमजन के लिए उम्मीद और सहारा का केंद्र बन गया है।ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए यह कार्यालय वरदान साबित हो रहा है।सोमवार को मुख्यमंत्री निवास बगिया स्थित कैंप कार्यालय में कुल 56 आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों में ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याएँ और मांगें रखीं। ग्राम पंचायतों से आए लोगों ने मुख्य रूप से सामुदायिक भवन, रंगमंच निर्माण,राजस्व मामले,स्वास्थ्य सुविधाओं में सहयोग तथा अन्य बुनियादी आवश्यकताओं से जुड़े मामले को लेकर पहुंचे थे।ग्रामीणों ने बताया कि अब उन्हें अपनी समस्याएँ सीधे प्रशासन तक पहुँचाने में कठिनाई नहीं होती, क्योंकि मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय इसके लिए एक सुगम और सशक्त मंच बन गया है।सीएम कैंप कार्यालय की ओर से प्राप्त सभी आवेदनों पर गंभीरता से विचार किया गया और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि किसी भी मामले को लंबित न रखा जाए और आवेदकों को शीघ्र राहत प्रदान की जाए।गौरतलब है कि अब केवल जशपुर जिले के ही नहीं, बल्कि अन्य जिलों से भी ग्रामीण अपनी समस्याएँ लेकर सीएम कैंप कार्यालय बगिया पहुँच रहे हैं। यहाँ उनकी बातें न सिर्फ सुनी जाती हैं, बल्कि वास्तविक समाधान भी खोजा जाता है।ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की इस संवेदनशील पहल की सराहना करते हुए कहा कि बगिया कैंप कार्यालय अब उनकी आशाओं का केंद्र बन चुका है, जहाँ हर समस्या का गंभीरता और प्राथमिकता से समाधान किया जाता है।

फिंगेश्वर जल संसधान विभाग में कागजों में हुआ काम जमीन में कुछ नहीं लाखों का भ्रष्टाचार का खुलासा

किसान ने मरम्मत कार्य में भ्रष्टाचार गबन की शिकायत पुलिस अधीक्षक गरियाबंद से कर कार्यवाही की मांग

गरियाबंद (समय दर्शन)। जल संसाधन विभाग फिंगेश्वर शाखा वितरक के अन्तर्गत ग्राम रोबा पेण्ड्रा, भसेरा, पाली, फुलकर्रा, सिर्रीकला, पसौद ग्रामों के केनाल एवम माईनर जल संसाधन विभाग फिंगेश्वर के अधिकारियों द्वारा बिना मरम्मत किए ही राशि को कोरबा के ठेकदार को भुगतान किया। यह पुरा भ्रष्टाचार वित्तीय वर्ष 24 - 25 में यह कार्य को किया गया हैं। एक फर्म को 234466 रूपये और दूसरा फर्म 233156 रूपये राशि का भुगतान किया गया हैं।कुल राशि 467622 का भुगतान हुआ हैं।बिना कार्य किए ही 2300 बोरियों को मेंटेंस कार्य में लगाया गया बताया जा राह हैं।अधिकार जल संसाधन विभाग में इस तरह बिना कार्य किए ही विभाग के राशि में हेरा फेरी किया जा राह हैं। जल संसाधन विभाग को इसका संरक्षण प्राप्त हैं।यह सावल भी किसानों के जुबान में हैं।इस विभाग का खेल भेसरा माईनर 1 एवम 2 चैन क्रमांक 1380 से 1464 में 4.80 मीटर के हिसाब से 4 जगह टूटना बताया

गया।1465 से 1470 में 3.60 मीटर के हिसाब से 5 जगह टूटना एवम 1471 से 1478 में 3 मीटर के हिसाब से 6 जगह टूटना बताया गया।भसेरा,फूलकर्रा,पेंड्रा माईनर में 4 और 4 दो जगह 4.80 वा 2.50 मीटर बताया गया हैं।इस तरह कागज में खेल कर कोरबा के ठेकेदार को 234466 रूपये का भुगतान किया गया।दूसरा माईनर सिर्रीकला 1 एवम 2 माईनर और पाली,पसौद में चैन 1479 से 1528 में 4.80 मीटर के हिसाब से 4 जगह टूटना,1529 से 1564 में 3.60 मीटर के हिसाब से 5 जगह टूटना,1565 से 1570 में 3 मीटर के हिसाब से 6 जगह टूटना बताया गया हैं।पाली माईनर 4.50 मीटर के हिसाब से 4 जगह टूटना, पसौद माईनर 2.50 मीटर के हिसाब से 4 जगह टूटना बताया गया हैं।इस तरह कागज में खेल कर कोरबा के ठेकेदार को 233156 रूपये का भुगतान किया गया हैं।इस तरह जल संसाधन विभाग में पुरा खेल कर कागजों में राशि को कोरबा के ठेकेदार को भुगतान किया गया हैं।यह पुरा मामला सूचना के अधिकार के तहत जानकारी किसान याद राम साहू रोबा के निकालने के बाद खुलासा हुआ। वहीं किसान ने यह पुरा मामला में जांच कर दोषी अधिकारी के ऊपर कार्यवाही की मांग किया हैं।किसान याद साहू ने बताया कि नहर में जो घास जगा हैं साथ ही मिट्टी से पटा हैं। उसे भी सफाई नहीं कराया गया हैं। जिसके कारण पानी के बहाव में परेशानी हो रहीं हैं।वहीं हमारे क्षेत्र किसान कार्यालय पहुंच कर अधिकारियों के खिलाफ जमकर प्रदर्शन करते हुए नहरों से पानी उनके खेतों तक पहुंचाने की मांग की। वर्तमान में मंत्रियों के विभाग बटवारा में जल संसाधन विभाग मुख्यमंत्री साय के पास हैं।अब विभाग में इस तरह भ्रष्टाचार कई तरह के सवाल खड़े कर रहें हैं।वहीं पूर्व मुख्यमंत्री पंडित श्यामाचरण शुक्ल को राजिम विधानसभा में नहरों के जाल बिछाने के लिए जाने जाते हैं।राजिम क्षेत्र के किसानों को खेतों में सिंचाई की सुविधा हो और किसानों को पर्याप्त मात्रा में पानी सिंचाई के लिए मिल सकें। जल संसाधन विभाग के अधिकारी नहरों की सफाई तो दूर मरम्मत कार्य के राशि को बिना काम के लिए निकाल कर लाखों का भ्रष्टाचार किया हैं।किसान जॉच की मांग कर रहें हैं।किसान याद राम साहू ग्राम रोबा ने मरम्मत कार्य में भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग गरियाबंद पुलिस अधीक्षक से किया हैं। 0 क्या कहते हैं अधिकारी वी वी मलैया,एसडीओ सिंचाई अनुविभाग फिंगेश्वर ने कहा कि किसानों ने जानकारी निकाली उनकी मांग पर स्थल निरीक्षण किसानों के साथ किया गया।मरम्मत कार्य मौके पर नहीं किए गए।माइनर नहरों में इतना क्षतिग्रस्त संभव भी नहीं है।जितना लंबाई क्षतिग्रस्त में बताया गया है।ऐसे में तो नहरों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।जांच के लिए डिविजन कार्यालय से मार्ग दर्शन मांगा गया है जो अब तक अप्रपाप्त है।

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण ब/121 वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक कुलेश्वर भाले पिता छोटेलाल भाले निवासी आजाद चौक पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे माता स्व शोभा बाई देवांगन पति छोटेलाल भाले का मृत्यु दिनांक 04.03.2025 को ग्राम पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक कुलेश्वर भाले पिता छोटेलाल भाले निवासी आजाद चौक पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 05/09/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/08/2025 को जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

शासकीय हाई स्कूल रेमड़ा में हुआ छात्र संघ चुनाव

बसना (समय दर्शन)। शासन के निर्देशानुसार हर वर्ष की भांति इस सत्र 2025-26 हेतु शासकीय हाई स्कूल रेमड़ा में छात्र संघ का चुनाव किया गया। संस्था के सामाजिक विज्ञान व्याख्याता अशोक कुमार साहू द्वारा लोकतंत्र में चुनाव की प्रकिया के अनुरूप ही छात्रसंघ चुनाव कराया गया। जिसमें शाला नायक कक्षा दसवीं से अतुल पाइक एवं शाला उपनायिका कक्षा दसवीं से ही भवानी यादव चुने गए।उपर्युक्त दोनों पद निर्विरोध चुने गए। विद्यालय के अन्य प्रमुख पदों का भी चुनाव हुआ। जिसमें कक्षा दसवीं के कक्षा नायिका रीना सेठ एवं कक्षा

उपनायिका मोनिका परमार चुनी गई। कक्षा नवमीं के कक्षा नायिका श्रावणी सिदार तथा कक्षा उपनायक रमेश भोई बहुमत से चुने गए। तत्पश्चात कक्षा/शाला संचालन हेतु विभिन्न पदों का मनोनयन किया गया।जिसमें प्रमुखत: क्रीड़ा विभाग,अनुशासन विभाग, सांस्कृतिक विभाग व स्वच्छता विभाग है। उपर्युक्त चारों विभागों को सत्यम, शिवम, सुंदरम, मधुरम नामित किया गया।

क्रीड़ा विभाग के अध्यक्ष दीपक भोई एवं क्रीड़ा उपाध्यक्ष तनुषा पांडे बने।

अनुशासन विभाग के अध्यक्ष प्रियंका यादव एवं अनुशासन उपाध्यक्ष हितेश बघेल का मनोनयन हुआ।

सांस्कृतिक विभाग में अध्यक्ष पद काजल साखरे, व उपाध्यक्ष पद मुस्कान बरिहा को मिला। स्वच्छता विभाग से अध्यक्ष नीलम चौहान व उपाध्यक्ष तुषार सिदार बने। छात्र संघ के चुनाव के उपरांत संस्था के प्राचार्य वीरेंद्र कुमार साहू जी ने अपने संबोधन में कहा कि छात्र संघ पदाधिकारी बनने से आप हमारे संस्थान में अच्छे बदलाव का सकते हैं। इससे छात्रों में नेतृत्व, संचार, बजट प्रबंधन और मल्टीटास्किंग जैसे व्यवहारिक कौशल विकसित होंगे।

अत: पदाधिकारी अपने कर्तव्यों के ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करेंगे।इसका प्रयोग अपने या अपने मित्रों के व्यक्तिगत लाभ के लिए कदापि न करें। इस कार्यक्रम में विद्यालय के व्याख्याता गण अशोक कुमार साहू, हेमसिंग सिदार, रामरतन भोई थे। कार्यक्रम का संचालन संस्था के गणित व्याख्याता खगेश्वर पंडा ने किया।

संक्षिप्त-खबर

साजा (समय दर्शन)। साजा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेलतरा में राम सताव का आयोजन किया गया साथ में रामधुनी के साथ दहीबोरा आयोजन किया गया इसमें समस्त ग्राम वासी एवं तीज पर्व में आए सभी दीदी, बहने उपस्थित थे।

सतपथी परिवार की दुर्लभ तस्वीर का हुआ सार्वजनिक विमोचन

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) - सतपथी परिवार की 1935 की दुर्लभ और ऐतिहासिक तस्वीर को सार्वजनिक रूप से साझा किया गया है। यह तस्वीर उस दौर की है जब तोषगांव में सतपथी परिवार द्वारा नवाखाई मिलन सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस तस्वीर में बाल्यकाल में फुलझर स्टेट के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी पंडित जयदेव सतपति तथा उनके तीनों भाई वासुदेव, रामकृष्ण और सुखदेव मौजूद हैं। उस समय फोटो खींचने के लिए लोग घूमने वाले कैमरे का उपयोग करते थे, जिन्हें प्राय: बॉक्स कैमरा या रोल फिल्म कैमरा कहा जाता था। ब्रिटिश सरकार द्वारा कृषि जनगणना, स्वास्थ्य और ग्रामीण जीवन की स्थिति रिकॉर्ड करने के लिए भी कुछ फोटोग्राफरों को नियुक्त किया गया था। यही कारण है कि ग्रामीण भारत की जीवनशैली, खेती और हस्तशिल्प से जुड़े कुछ दृश्य दुर्लभ फोटोग्राफी के रूप में संरक्षित हो पाए। इस तस्वीर में पंडित विद्या चरण सतपति के दादा गदाधर सतपथी तथा पिता पंडित जयदेव सतपथी (बाल्यावस्था में) भी सम्मिलित हैं। इसे सतपथी परिवार का अब तक का सबसे पुराना फोटोग्राफिक रिकॉर्ड माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इसी परिवार से आज आधार गाइड के परदादा एवं सरायपाली मीडिया प्रभारी श्री सौरभ सतपथी के अपरदादा भी इस तस्वीर में मौजूद हैं। नवाखाई मिलन सम्मेलन की परंपरा सतपथी परिवार में आज भी लगातार जारी है। 90 वर्षों बाद भी यह कार्यक्रम हर वर्ष आयोजित होता आ रहा है। साझा किए गए दूसरे चित्र में वर्ष 2024 के परिवार मिलन का दृश्य है। हालांकि इस बार 2025 के नवाखाई मिलन समारोह में परिवार एक गहरे दुख से गुजर रहा है। परिवार के प्रिय सदस्य, आधार गाइड के पिता एवं सतपथी टाइपिंग के संरक्षक, स्वर्गीय प्रदीप सतपथी का जनवरी माह में आकस्मिक निधन हो गया। उनके न रहने से इस वर्ष के नवाखाई मिलन में उनकी कमी गहराई से महसूस की जाएगी। सतपथी परिवार ने इस ऐतिहासिक तस्वीर को साझा करते हुए कहा कि यह उनके लिए न केवल गौरव का विषय है बल्कि अपने पूर्वजों की स्मृतियों को जींवत रखने का एक अमूल्य अवसर भी है।

विधायक ललित चंद्राकर ने रुआबांधा सेक्टर में 14.62 लाख की लागत से निर्मित डोम शेड का लोकार्पण किया

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर की पहल पर रूआबांधा सेक्टर वार्ड क्रमांक 06 गणेश ग्राउंड में डोम शेड निर्माण कराया गया जिसका आज लोकार्पण विधिवत् पूजा अर्चना जनता को समर्पित किया गया। जिसकी लागत राशि 14.62लाख रुपए की है । इस डोम शेड के लिए वार्ड वासियों ने विधायक ललित चंद्राकर का आभार जताया। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर क्षेत्रवासियों को तीजा पोरा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी और बताए कि डोम शेड निर्माण का मांग बरसो से था आज पूरा करते हुए मुझे खुशी हो रहा है अब इस शेड का उपयोग विभिन्न कार्यक्रमों में किया जाएगा। श्री चंद्राकर ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए उनकी सरकार हमेशा प्रयासरत है और इस डोम शेड के निर्माण से वार्ड वासियों को एक अच्छा आयोजन स्थल मिल गया है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि क्षेत्र के सभी विकास कार्य समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरे हों। इस अवसर पर रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू , मरोदा पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल , सुनील साहू ,अजित चौधरी ,दशरथ साहू जी,पार्षद माया यादव , पार्षद सीला नारखेड़े , पार्षद सावित धवस , नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू , बूथ अध्यक्ष विपुल वर्मा ,गुड्डू झा,अजित परिहार, मोहन बड़े, सरला सिंह ,शैलेश शर्मा,सचीन गोस्वामी,संतोष चौधरी, राजेन्द्र यादव, प्रेमचंद साहू,विष्णु दत्त शर्मा सहित क्षेत्र वासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेल एवं फिटनेस गतिविधियों का होगा आयोजन

- राष्ट्रीय खेल दिवस पर 3 दिन होंगे आयोजन
- सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ सांसद रूपकुमारी चौधरी के आतिथ्य में सम्पन्न होगा

महासमुन्द (समय दर्शन)। खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद द्वारा दिनांक 29 से 31 अगस्त 2025 तक हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती अवसर पर स्थानीय मिनी स्टेडियम महासमुंद में 28 से 29 अगस्त तक हॉकी खेल प्रतियोगिता का आयोजन जिला हॉकी संघ महासमुंद के द्वारा मिनी स्टेडियम महासमुंद में आयोजित किया जाएगा। दिनांक 29 से 31 तक शासकीय उच्चतर माध्यम विद्यालय बेमचा महासमुंद में विभिन्न खेलों एवं मनोरंजनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर हॉकी, कबड्डी, बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता एवं दौड़, लंगड़ी दौड़, कुर्सी दौड़ जैसे खेलों का आयोजन किया जाएगा। 30 अगस्त को इंडोर खेलों, फिटनेश टॉक, खेल से संबंधित विषयों पर वाद विवाद व गतिविधियों का आयोजन एवं 31 अगस्त को संडे ऑन सायकल कार्यक्रम अंतर्गत सायकल रैली का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आम नागरिक और खिलाड़ी शामिल होंगे। एस्पिरेशनल भारत कोलैबोरेटिव पिरामल फाउंडेशन टीम द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में जिले में युवाओं, महाविद्यालयों, संस्थानों, पंचायत स्तर के युवाओं एवं स्वयंसेवी संगठनों को जोड़कर संडे ऑन सायकल जैसे आयोजनों में बड़े पैमाने पर सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया जायेगा। फाउंडेशन द्वारा फिट इंडिया अभियान में ऑनलाइन पंजीयन, वेबसाइट के माध्यम से फोटो-वीडियो पोस्ट करना और प्रमाणपत्र डाउनलोड करने से सम्बंधित सहयोग प्रदान किया जायेगा, साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर भी युवाओं को खेल एवं स्वास्थ्य हेतु प्रेरित किया जायेगा, जिससे जिले से अधिक संख्या में युवाओं एवं बालिकाओं को सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। जिले के विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल संघों/संस्थाओं द्वारा आयोजन किया जाएगा, जिसमें मेजर ध्यानचंद जी को श्रद्धांजलि अर्पित किया जाएगा एवं फिट इंडिया शपथ लिया जाएगा। इस के माध्यम से खेल भावना का संदेश दिया जाएगा। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जन्म जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रुप में मनाया जाता है। साथ ही वर्ष 2019 में माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा 29 अगस्त को हि फिट इंड़िया मूमेंट का शुभारंभ किया गया था, जिसके तारतम्य में द्वारा 29 से 31 अगस्त, 2025 तक राष्ट्रव्यापी खेल एवं फिटनेस गतिविधियों के आयोजन किया जा रहा है। 29 अगस्त राष्ट्रीय खेल दिवस पर सांसद लोकसभा महासमुंद रूपकुमारी चौधरी के मुख्य आतिथ्य एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा जिसमें खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ फिट इंडिया शपथ दिलाई जाएगी तथा सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ किया जाएगा जिसमें 29 अगस्त से खेलों का पंजीयन शुरू होगा, जिसकी जानकारी आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिया जाएगा।

खाद नहीं मिलने पर किसान करेंगे चक्काजाम, एसडीएम के नाम तहसीलदार को दिया ज्ञापन

साँकरा (समय दर्शन)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) छत्तीसगढ़ के प्रदेश महासचिव तेजराम विद्रोही, जिला पंचायत सदस्य मोक्ष प्रधान, जिला पंचायत सदस्य जागेश्वर जुगनू चन्द्राकर की विशेष उपस्थिति में सांकरा, सागुनढाब, भगत्तदेवरी, पीरदा, आरंगी, सिरको, जगदीशपुर सहकारी समिति क्षेत्र के किसानों की आवश्यक बैठक की गयी। जहाँ सहकारी समितियों में रासायनिक खाद नहीं मिलने और नीजि दुकानदारों द्वारा मनमाने दाम पर खाद बेचने, जबरदस्ती लादन देने के कारण किसानों को अपना खेती करना व फसल उत्पादन करना परेशानी का सबब बन गया है। जिससे किसान परिवारों के सामने आजीविका का संकट उत्पन्न हो रहा है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए भारतीय किसान यूनियन पिथौरा ब्लॉक के संयोजक अजय साहू ने कहा कि उपस्थित किसानों ब्रजेश खाम्हारी, मोतीलाल पटेल, शरद चंद्र, पुरुषोत्तम भोई, अश्विनी प्रधान, नरोत्तम साहू, भास्कर बारीक़, सुशील बढ़ाई, मुरलीधर, गोवर्धन पटेल, धनुर्जाय पटेल, श्रीनिवास साहू, ललित कुमार खम्हारी, शेषदेव प्रधान, घनश्याम पटेल, मोतीलाल भोई, चंद्रकांति सागर आदि ने अनुविभागीय अधिकारी पिथौरा के नाम तहसीलदार को ज्ञापन देते हुए मांग किया है कि दिनांक 29 अगस्त 2025 दिन शुक्रवार तक किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध करायी जाये, लादन एवं खाद की कालाबाजारी पर रोक लगायी जाये। इस दिनांक तक खाद नहीं मिलने की स्थिति में दिनांक 01 सितम्बर 2025 दिन सोमवार को सांकरा नेशनल हाइवे पर किसान चक्काजाम करने को मजबूर होंगे।

मंत्री पद की शपथ के बाद पहली बार बसना पहुंचे राजेश अग्रवाल, विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने किया आत्मीय स्वागत

बसना (समय दर्शन)। राज्य के नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल मंत्री पद की शपथ के बाद पहली बार बसना पहुंचे। इस अवसर पर बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने उनका आत्मीय स्वागत किया। यह स्वागत केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक गरिमा और लोकतांत्रिक सौहार्द का प्रतीक बन गया।

विधायक कार्यालय में आयोजित इस गरिमामय समारोह में डॉ संपत अग्रवाल ने मंत्री राजेश अग्रवाल को पुष्पगुच्छ, शॉल,श्रीफल और छत्तीसगढ़ी प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गूंज के साथ इस क्षण को ऐतिहासिक बना दिया।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने कहा कि मंत्री राजेश अग्रवाल को पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी मिली है। यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य की बात है। उनके नेतृत्व में राज्य की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिलेगी।

उन्होंने आगे कहा कि मंत्री बनने के बाद राजेश अग्रवाल का बसना आगमन न केवल क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह संकेत भी है कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और जनता की आवाज़ अब सीधे शासन के केंद्र तक पहुंचेगी।

विधायक डॉ अग्रवाल ने यह भी उल्लेख किया कि मंत्री राजेश अग्रवाल की कार्यशैली जनोन्मुखी रही है और वे सदैव विकास को प्राथमिकता देते आए हैं। साथ ही कहा कि पर्यटन और संस्कृति विभाग के माध्यम से छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक धरोहरों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, रामचंद्र अग्रवाल, नगर पंचायत बसना उपाध्यक्ष शीत गुप्ता, विधायक कार्यालय प्रभारी कामेश बंजारा,जनपद पंचायत बसना उपाध्यक्ष मोहित पटेल, विधायक प्रतिनिधि अरविंद मिश्रा,पार्षद प्रतिनिधि निर्मलदास, मण्डल अध्यक्षगण नरेंद्र यादव, हलधर साहू, अभिमन्यु प्रधान, महामंत्री इंदल बरिहा, भाजपा मीडिया प्रभारी सुखदेव वैष्णव, युवा नेता आकाश सिन्हा, विधायक कार्यालय पिरदा प्रभारी विमला बेहरा,सामाजिक कार्यकर्ताओ सहित अन्य सम्मानित जन स्थानीय गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बसना में कृषि सेवा केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण

51 बोरी यूरिया का किसानों को शासकीय दर पर किया गया वितरण

बसना (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार एवं उप संचालक कृषि एफआर. कश्यप के मार्गदर्शन में बसना विकासखण्ड के किसान कृषि सेवा केन्द्र बंसुला का वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बसना द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गोदाम में नेशनल फर्टिलाइजर कंपनी का 51 बोरी यूरिया उर्वरक पाया गया, जिसे ग्राम दूधापाली के 2, बड़ेटेमरी के 1, परसकोल के 3, गढ़पटनी के 1 तथा बड़ेढाबा के 2 कृषकों को उनके रकबा के आधार पर 266 रुपए की दर से वितरण किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बसना श्रीमती उषाकांति, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी हरिशंकर कैवर्त्य एवं मुरली पटेल उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा:-जीवन रक्षा विषय पर विकासखण्ड स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न

महासमुन्द (समय दर्शन)। सड़क सुरक्षा - जीवन रक्षा विषय पर विकासखण्ड स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन बागबाहरा में गरिमामय ढंग से सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर तार्किक एवं प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेजेस कोमाखान समूह ने प्रथम, सेजेस बागबाहरा ने द्वितीय तथा हायर सेकंडरी स्कूल बकमा घुंचापाली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बागबाहरा उमेश कुमार साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि सड़क दुर्घटनाएँ केवल आँकड़े नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक दुर्घटना किसी परिवार के सपनों का टूटना और जीवन की पीड़ा है। भारत में सड़क सुरक्षा एक गंभीर चुनौती है और इसका समाधान तभी संभव है जब हर नागरिक स्वयं जिम्मेदारी लेते हुए यातायात नियमों का पालन करे। हेलमेट, सीट बेल्ट, ट्रैफिक सिग्नल और गति सीमा केवल औपचारिकताएँ नहीं, बल्कि जीवन रक्षा के कवच हैं। युवा पीढ़ी को आगे आकर समाज में जागरूकता फैलानी होगी और स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। आज की प्रतियोगिता में

छात्रों ने जिस गंभीरता से अपने विचार रखे, वह दर्शाता है कि हमारी नई पीढ़ी परिवर्तन लाने के लिए तैयार है।

थाना प्रभारी श्री नितेश सिंह ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य चालान काटना नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हम चाहते हैं कि हर नागरिक सड़क पर स्वयं अनुशासित रहे। हेलमेट और सीट बेल्ट जीवन के रक्षक कवच हैं, जिन्हें किसी भी परिस्थिति में नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन स्वयं करना और दूसरों को प्रेरित करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे कदम ही बड़ी दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं। इस अवसर पर तहसीलदार हरीशकान्त ध्रुव, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के.के. वर्मा, तथा सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी रामता डे भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में नोडल अधिकारी हीरा सिंह नायक, प्राचार्य सेजेस कोमाखान तथा शिक्षक गण विजय शर्मा, देवानन्द वेदव्यास, मनीष अवसरिया, भूपेंद्र निराला, गेंदलाल यादव, हीरेन्द्र देवांगन, निर्णायक अजय अग्रवाल, मन्नू कुर्रे, हरीश चौहान, कुमत राम ध्रुव, नितिन जैन हीरेन्द्र उपाध्याय सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। निर्णायक मंडल द्वारा निष्पक्ष निर्णय देकर विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, प्रेरणा और जागरूकता से परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने संकल्प लिया कि सड़क सुरक्षा ही जीवन रक्षा है और इसे अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएँगे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26